चैत्र कृष्ण पक्ष अमावस्या, संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 271 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

29 मार्च 2025 शनिवार

आज का मौसम

38 अधिकतम

22 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भूकंप : अब तक 1000 मौतें, आंकड़ा 10 हजार पर पहुंचने की आशंका

बैंकाक/नई दिल्ली, एजेंसी

म्यांमार में विनाशकारी भूकंप में मौत का आंकड़ा 10 हजार से ज्यादा होने की आशंका जताई जा रही है। यह आशंका यूनाइटेड स्टेट जियोलॉजिकल सर्वे ने जताई है। भूकंप के झटके थाईलैंड, बांग्लादेश, चीन और भारत तक महसूस किए गए। वहीं आज सुबह अफगानिस्तान में भी 5.16 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। जमीन से 180 किमी की गहराई में आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.7 मापी गई। अभी तक किसी तरह के नुकसान या जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। उधर थाईलेंड में इमारतें, बौद्ध स्तूप, सड़कें और पुल बुरी तरह नष्ट हो गए हैं। रिपोर्टस के मुताबिक म्यांमार की सैन्य सरकार ने कहा है कि अब तक 800 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, जबकि 2000 से ज्यादा लोग घायल हैं। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक 30 मंजिला इमारत गिर गई है। इसमें 10 लोगों की मौत हुई है। म्यांमार में 7.7 तीव्रता का भूकंप आया। म्यांमार और थाईलैंड में यह 200 साल का सबसे बड़ा भूकंप है। भारी तबाही के चलते म्यांमार के 6 राज्यों और पूरे थाईलैंड में इमरजेंसी लगा दी गई है।

भूकंप के कारण मौतों, घायलों और नुकसान का अभी पूरी तरह आकलन नहीं हो पाया है। इसमें कई दिन लगेंगे। खास तौर पर म्यांमार में, जो दुनिया के सबसे गरीब देशों में से एक है। यह देश पहले से ही गृहयुद्ध में उलझा हुआ है और यहां सैन्य शासन होने के कारण सूचना पर कड़ा नियंत्रण है म्यांमार की सेना ने फरवरी 2021 में आंग सान सू की की निर्वाचित सरकार से सत्ता छीन ली थी। सू की अभी जेल में हैं और सुरक्षित बताई गई हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, गृह युद्ध के कारण 3 मिलियन से अधिक लोग विस्थापित हो गए हैं और लगभग 20 मिलियन लोग जरूरतमंद हैं.

भारत ने भेजी सहायता

इधर भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आज सोशल मीडिया पर लिखा कि म्यांमार के लोगों के लिए पहली खेप के रूप में तात्कालिक मानवीय सहायता भेजी गई है। वायु सेना का सी- 130 प्लेन कंबल, तिरपाल, स्वच्छता किट, स्लीपिंग बैग, सोलर लैंप, फूड पैकेट और किचन सेट लेकर रवाना हुआ है। इस प्लेन में एक सर्च और रेस्कूय टीम के अलावा मेडिकल टीम भी है।

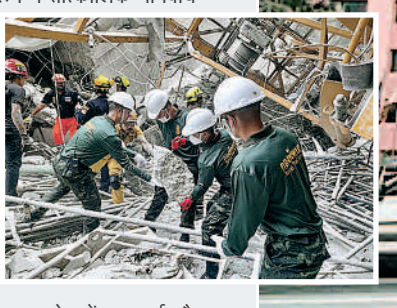

मलबा हटाने में लगेंगे कई दिन, तबाहियों की खुलती रहेंगी परतें

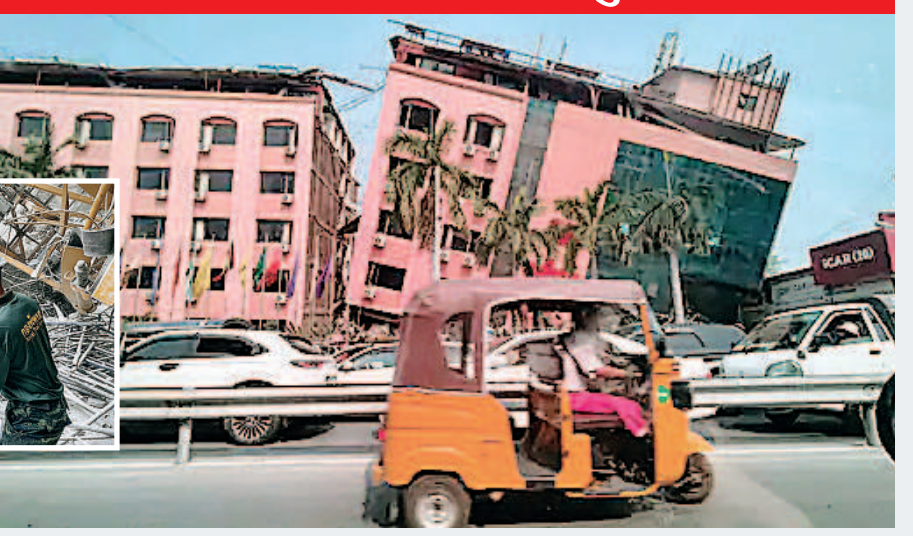

छत्तीसगढ़ में 16 नक्सलियों को सुरक्षाबलों ने घेरकर मारा

रायपुर, एजेंसी

छत्तीसगढ के सुकमा और दंतेवाड़ा जिले की सरहद पर आज सुबह से पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। इसमें 16 नक्सली मारे जा चुके हैं। डीआरजी और सीआरपीएफ जवानों ने नक्सलियों को घेर रखा है। मामला केरलापाल थाना क्षेत्र के उपमपल्ली का है। बताया जा रहा है कि नक्सलियों से इंसास,एसएलआर जैसे ऑटोमैटिक वेपंस भी बरामद किए हैं। आपरेशन खत्म होने के बाद पूरे इलाके की बारीकी से सर्चिंग की जाएगी, इसके बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि नक्सलियों को और कितना नुकसान हुआ है। मारे गए नक्सलियों की संख्या ब?ने की संभावना भी है। पिछले कुछ समय से छग में नक्सलियों को तगडी घेराबंदी की जा रही है। इससे पहले 25 मार्च को सुरक्षाबलों ने 25 लाख रुपए के इनामी नक्सली सुधीर उर्फ सुधाकर समेत 3 नक्सलियों को मार गिराया था। बस्तर रेंज में जवानों ने 2025 में मुठभेड़ में 100 नक्सलियों का एनकाउंटर किया है। इसमें सिर्फ मार्च में ही 49 नक्सली मारे गए हैं।

एक अप्रैल से मध्यप्रदेश में नई गाइडलाइन, मतभेद बरकरार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी में काफी समय से जारी गाइडलाइन विवाद पर सुप्रीम निर्देश का क्रेडाई ने स्वागत किया है और कहा है कि कोर्ट ने साफ़ कहा है कि सर्किल रेट (गाइडलाइन दरें) वैज्ञानिक ढंग से तय होनी चाहिए, कृत्रिम रूप से बढ़ी हुई न हों। अदालत ने यह भी कहा कि विशेषज्ञों की सहायता से ही दर निर्धारण किया जाए और यह प्रक्रिया पारदर्शी, व्यावसायिक और वास्तविक बाज़ार मूल्यों के अनुरूप होनी चाहिए। क्रेडाई अध्यक्ष मनोज सिंह 'मीक' ने कहा कि अदालत की यह टिप्पणी हमारी वर्षों की न्यायोचित मांग की वैधानिक पुष्टि है। यह टिप्पणी मध्यप्रदेश जैसे राज्यों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जहाँ गाइडलाइन दरें पिछले 15 सालों से हर वर्ष अनुमान और उपबंधों के आधार पर बढ़ाई जाती रही हैं, जबकि ज़मीनी बाज़ार इससे असहमत होता है। मप्र में नई कलेक्टर गाइडलाइन एक अप्रैल से ही लागू करने की तैयारी है। भोपाल में औसतन 14त्न तो इंदौर में 30त्न तक दरें बढ़ाने का प्रस्ताव केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड को भेजा गया है। बीते वर्ष की औसतन 7त्न वृद्धि की गई थी।

सौ प्रोफेशनल्स को पार्टी की रीति नीति समझाने और राजनीति में लाने की ट्रेनिंग

भाजपा की फ्यूचर फोर्स को दीक्षित करने के मिशन की मप्र से शुरुआत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भाजपा ने अपनी फ्यूचर फोर्स तैयार करने की शुरुआत आज भोपाल से की है। पार्टी का देशभर में अपनी तरह का यह पहला आयोजन है। अन्य राज्यों में भी भोपाल के बाद इसकी शुरुआत की जाएगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने संबोधन की शुरूआत युवा प्रोफेशनल की टीम में शामिल कुछ सदस्यों से सीधी बात से की और उनके लक्ष्यों के बारे में पूछा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने जब सवाल किया कि देश आजाद कब हुआ, तो कई लोगों ने जवाब दिया कि वर्ष 2014 में देश आजाद हुआ। वहीं वीडी शर्मा ने संबोधन में कहा कि राजनीति में अच्छे लोग नहीं आएंगे तो अपराधी प्रवृत्ति के लोग अपनी चलाते रहेंगे। इसलिए बीजेपी ने युवाओं को पार्टी से जुड़ने की रणनीति बनाई है।

दरअसल 15 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले से कहा था कि राजनीति में ऐसे नए लोगों को अवसर मिलना चाहिए जिनके परिवारों का पहले से कोई राजनीतिक बैकग्राउंड न हो। अब इस प्लान पर सबसे पहले मप्र में अमल हो रहा है। भोपाल में आज से शुरू हुए दो दिनी आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों के सौ प्रोफेशनल्स को कुल 9 सत्रों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इनमें, डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, चार्टर्ड अकाउंटेंट, सोशल वर्कर, स्टार्टअप, युवा उद्यमी, पत्रकार, एक्स आर्मी मैन, आईआईटीयन, महिला उद्यमी सहित अलग-अलग फील्ड के प्रोफेशनल्स को राजनीति में लाने के लिए ट्रेनिंग दी जा रही है। चयनित विभिन्न क्षेत्रों के प्रोफेशनल्स को भाजपा की रीति, नीति, काम करने की पद्धति का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी उपक्रम को 'आई एम बीजेपी फ्यूचर फोर्स' नाम दिया गया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव व प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने इस वर्कशॉप की शुरूआत की। इसमें केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, सांसद बांसुरी स्वराज, डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे, डॉ अनिर्वान गांगुली, बीजेपी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विस अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर सहित राज्य सरकार के चुनिंदा मंत्री सत्रों को संबोधित करेंगे। इन प्रोफेशनल्स को प्रशिक्षित करके, मार्गदर्शन और उनका मूल्यांकन करके, मध्यप्रदेश भाजपा नेताओं की अगली पीढ़ी के निर्माण की दिशा में कदम उठाएगी। अपने व्यावसायिक कौशल का उपयोग देश और समाज के हित में करने के इच्छुक युवा प्रोफेशनल्स को बीजेपी दो दिन तक पार्टी की विचारधारा और रीति नीति की जानकारी देगी। इसके लिए भोपाल में अलग-अलग स्थानों पर शनिवार व रविवार को कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

विधानसभा व सुशासन संस्थान भी जाएंगे प्रोफेशनल्स

फ्यूचर फोर्स के प्रतिभागी आज दोपहर बाद विधानसभा का भी दौरा करेंगे, जहां प्रदेश शासन के शहरी विकास एवं संसदीय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय लोकतंत्र और सुशासन को मजबूत करने में विधानसभा की भूमिका卐 विषय पर विशेष व्याख्यान देंगे। फिर यह प्रतिभागी अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान जायेंगे जहां पूर्व सांसद विनय सहस्रबुद्धे सुशासन, नीति निर्माण और नए भारत के लिए भाजपा का दृष्टिकोण विषय पर व्याख्यान देंगे।

मप्र में तीन हजार प्रोफेशनल्स कतार में

इस बारे में प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के एक लाख प्रोफेशनल्स को राजनीति से जो?ने के विजन के अनुरूप 卐आई एम बीजेपी फ्यूचर फोर्स卐 बूट कैंप भाजपा के 'सदस्यता अभियान卐 का विस्तार है। सदस्यता अभियान के माध्यम से अब तक मध्यप्रदेश से ही 3 हजार से अधिक प्रोफेशनल्स भाजपा परिवार से जु? चुके हैं और यह बूट कैंप इस अभियान को अगले स्तर पर ले जाने का प्रयास है।यह कैंप मध्यप्रदेश के चुनिंदा 100 प्रोफेशनल्स और उद्यमियों को राजनीति और शासन के क्षेत्र में प्रवेश करने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगा।

पिता से भी परेशान थी दिशा, क्लोजर रिपोर्ट में खुलासा

मुंबई। अब दिशा सालियान की मौत मामले में मुंबई पुलिस की क्लोजर रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने दिशा की मौत को सुसाइड बताया है और इसके पीछे के कारण का भी जिक्र किया है। पुलिस का दावा है कि दिशा के पिता पैसे की बर्बादी करते थे, उसका गलत उपयोग करते थे इस वजह से दिशा डिप्रेशन में थी। दिशा काफी समय एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मैनेजर रही हैं। दिशा ने 8 जून, 2020 को उत्तरी मुंबई के मलाड इलाके में जनकल्याण नगर में अपनी बिल्डिंग की 12वीं मंजिल से कूदकर कथित तौर पर सुसाइड किया था। अब एक अधिकारी ने कहा है कि पुलिस ने दिशा के दोस्तों और कुछ गवाहों के बयान दर्ज किए तो पता चला कि दिशा अपने कुछ असफल प्रोजेक्ट और दोस्तों के साथ गलतफहमी से परेशान थी।

नेपाल में सामान्य होने लगे हालात, काठमांडू में हटा कर्फ्यू

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में अब हालात सामान्य होते दिख रहे हैं. शनिवार को काठमांडू के पूर्वी हिस्से में कर्फ्यू हटा लिया गया, जो सुरक्षा बलों और राजशाही समर्थक प्रदर्शकारियों के बीच हिंसक झड़पों के बाद लगाया गया था. दरअसल, काठमांडू के कुछ हिस्सों में उस वक्त तनावपूर्ण स्थिति देखी गई, जब राजशाही समर्थक प्रदर्शकारियों ने पत्थरबाजी की और एक राजनीतिक पार्टी के कार्यालय पर हमला किया, वाहनों में आग लगाई और तिंकुने इलाके में दुकानों में लूटपाट की.हिंसक झड़प में दो लोग की मौत हुई, जिनमें एक टीवी कैमरामैन भी शामिल था. स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बाद में सेना को बुलाया गया. काठमांडू जिला प्रशासन कार्यालय द्वारा जारी एक नोटिस के अनुसार, शुक्रवार को शाम 4.25 बजे से लागू कर्फ्यू को शनिवार सुबह 7 बजे हटा लिया गया। प्रदर्शन के दौरान 105 आक्रोशितों को गिरफ्तार किया, जो घरों में आग लगाने और वाहनों को नुकसान पहुंचाने में शामिल थे. राजशाही समर्थक प्रदर्शनकारी राजतंत्र की बहाली और हिन्दू राज्य की बहाली की मांग कर रहे थे।

मेट्रो एंकर

आईपीएल में सीएसके के सरेंडर से उठे सवाल, भड़के विश्लेषक

मजबूरी में बैटिंग करने आना पड़ा धोनी को, वरना ...!

चैन्नेई, एजेंसी

आईपीएल के सबसे बडे मैच में सबसे बड़ी टीम सीएसके का सरेंडर अभी तक खेल प्रेमियों और धोनी प्रेमियों को मथ रहा है। यह साफ हो गया है कि कल रात के मैच में धोनी बल्लेबाजी करने से बचते रहे। पहले भी कई बार यह बात सामने आ चुकी है। यहां तक कि उन्होने अपने पहले अश्विन से बल्लेबाजी कराई। कई खेलप्रेमी और विश्लेषक इस पर नाराज भी हैं। जाहिर है कि मैच जीतना या हारना ये टीम के खिलाड़ियों के अप्रोच पर निर्भर करता है। जब टीम लड़कर हारे तो लोगों को भी समझ आता है, लेकिन सरेंडर के ही मूड में दिखे तो सवाल उठते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच मैच में ये चीजें साफ तौर पर नजर आ चुकी हैं। सबसे करारा कमेंट वीरेंद्र सहवाग ने किया है। उन्होंने कहा- वो तो तब आते हैं जब आखिरी ओवर रहता है, इस बार वो थोड़ा जल्दी आ गए। खास बात यह कि चैन्नई के चेपॉक में जो अभेद्य किला पांच बार की आईपीएल चैम्पियन सीएसके ने आरसीबी के सामने 17 सालों से कायम रखा था, उसे खुद की गलतियों से नेस्तनाबूद कर दिया। सबसे ज्यादा निराश महेंद्र सिंह धोनी ने ही किया। जो नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए। चेपॉक में आखिरी बार 2008 में राहुल द्रविड़ की कप्तानी में आरसीबी जीती थी। द्रविड़ के बाद अनिल कुंबले, विराट कोहली, फाफ डु प्लेसिस जैसे कई कप्तान आए लेकिन चेन्नई के चेपॉक में कोई भी जीत का परचम नहीं लहरा पाया। अब यह काम आरसीबी कप्तान रजत पाटीदार ने कर दिखाया।

बेतुका फैसला: धोनी टीम के सबसे बड़े आइकन हैं, लिहाजा उम्मीद थी कि वो कम से कम अश्विन से पहले खेलने आएंगे लेकिन उन्होंने तमाम फैन्स और क्रिकेट विश्लेषकों को निराश कर दिया। अश्विन पहले बल्लेबाजी करने आए और 8 गेंदों पर 11 रन बनाकर लिविगस्टोन की गेंद पर आउट हो गए। धोनी तब मैदान में उतरे जब चेन्नई का स्कोर 99/7 था। यानि धोनी की यह मजबूरी ही थी कि उन्हें मैदान पर आना पड़ा। क्योंकि इसके बाद नूर अहमद और खलील अहमद ही रह गए थे। खुद कमेंट्री बॉक्स में मौजूद आकाश चोपड़ा ने जब धोनी के खास दोस्त सुरेश रैना से पूछा कि क्या धोनी को थोड़ा ऊपर नहीं आना चाहिए था. इस पर रैना को भी हां करना पड़ गया।

धोनी ने दर्शकों को खुश किया, क्रिकेट को निराश: धोनी ने 16 गेंदों पर 30 रन बनाकर और उसमें 2 छक्के और 3 चौके लगाकर चेन्नई के फैन्स को तो थोड़ा खुश तो कर दिया, लेकिन उन्होंने वो कई सवाल खड़े कर गए। अब इसे लेकर सोशल मीडिया और तमाम क्रिकेट विश्लेषक भड़के दिखे, मसलन...पूछा जा रहा है- नंबर 9 पर धोनी के खेलने का क्या मतलब है? धोनी को सैम करन से ऊपर आना था क्योंकि वो स्पीनर्स को बेहतर खेलते हैं। जब टीम चेन्नई हारे और धोनी बल्ले से धूमधड़ाका करें, इसका क्या मतलब है।

मस्क ने एक्स को अपनी कंपनी को बेचा

नईदिल्ली, एजेंसी। अरबपति इलॉन मस्क ने अपनी सोशल मीडिया कंपनी ङ्ग को अपनी ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (आई) कंपनी एक्स को 33 बिलियन डॉलर यानी, करीब 2.82 लाख करोड़ रुपए में बेच दिया है। यह एक ऑल-स्टॉक डील बताई जा रही है, जिसका मतलब है कि इसमें नकदी की बजाय शेयरों का लेन-देन हुआ है। मस्क ने एक्स पर पर एक पोस्ट में कहा- ॠद्ध और ङ्ग का भविष्य आपस में जुड़ा हुआ है। आज, हम आधिकारिक रूप से डेटा, मॉडल, कंप्यूटिंग, वितरण और प्रतिभा को एकसाथ लाने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। यह ॠद्ध की बेहतरद्ध क्षमता और विशेषज्ञता को ङ्ग की ब?ी पहुंच के साथ मिलाकर अपार संभावनाओं को खोलेगा। मस्क ने ङ्ग (जो पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था) को अक्टूबर 2022 में 44 बिलियन डॉलर में खरीदा था। माना जा रहा है कि ॠद्ध की उन्नतद्ध तकनीक को ङ्ग के बड़े यूजर बेस (60 करोड़ से ज्यादा सक्रिय यूजर्स) के साथ जोड़ने के लिए मस्क ने ऐसा किया गया है।

जाम से परेशानी

भोपाल. शहर के आईएसबीटी बस स्टैंड के सामने बड़ी बसों के कारण सड़कों पर रोज लगता है जाम वाहन चालक होते हैं परेशान।

गरीबों को सस्ते गेहूं-चावल देने की योजना को पहुंचा रहे नुकसान

दो रुपए प्रति किलो में मिलने वाला चावल निजी दुकान पर 27 रुपए का

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सरकार ने गरीबों के लिए सस्तीदर का गेहूं-चावल पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम के तहत सरकारी राशन की दुकानों से वितरण तय किया है, लेकिन ये निजी दुकानों पर कई गुना ज्यादा दर में मिल रहा है। अब राशन यहां कैसे पहुंच रहा है, ये जांच का विषय है, लेकिन दुकानों पर इसे आसानी से खरीदा जा सकता है। सबसे ज्यादा चावल यहां मिलता है।

फाइल फोटो

यह भी जानिए

- कोलार ललीता नगर मार्केट में आटा चक्कियों से लेकर निजी राशनिंग की दुकानों पर सस्तीदर का चावल मांगने पर आपको यहीं कंट्रोल का चावल कहकर दिया जाता है। इसकी कीमत बीते एक साल में 20 रुपए से 27 रुपए हो गई है।
- करोद पीपल चौक पर भी राशन की दुकानों से आप इसे आसानी से ले सकते हैं। आपको सस्ता या पंक्षियों को खिलाने वाला चावल कहना होगा।
- नेहरू नगर में आटा चक्कियों और निजी राशनिंग की दुकानों पर आप आसानी से इसे लेकर सकते हैं। रहवासी राजेश रायकवार का कहना है कि वे अपने यहां पंक्षियों के लिए अक्सर यहीं से चावल ले जाते हैं।

जिम्मेदार एजेंसी ने एक बार भी नहीं की कार्रवाई: पीडीएस सिस्टम के तहत अनाज निजी दुकानों पर तो नहीं मिल रहा, इसकी जांच करने का जिम्मा जिला स्तर पर खाद्य एवं आपूर्ति विभाग का है। जिले में नियंत्रक एके खुजूर व टीम एक बार भी इसके लिए जांच पर नहीं निकली। खुजूर अब जांच कर कार्रवाई की बात कह रहे हैं।

गरीब बस्तियों से चावल खरीदने आती हैं गाड़ियां: ओम नगर, अब्बास नगर से लेकर भीम नगर, पंचशील नगर, अर्जुन नगर, सनखेड़ी से लेकर तमाम जगह पर आए दिन आपको चावल खरीदी करने छोटे लोडिंग वाहन नजर आ जाएंगे। ये बकायदा लोगों से चावल देने की आवाज देकर मोहल्लों में पहुंचते हैं।

ऐसे समझें स्थिति

- 271 दुकानें नगर निगम भोपाल में
- 119 दुकानें बैरसिया जनपद पंचायत में
- 97 दुकानें जनपद पंचायत फंदा में
- 10 दुकानें बैरसिया नगर परिषद में
- 10 लाख 87 हजार लाभान्वित परिवार नगर निगम भोपाल सीमा में ही है
- 3.47 लाख कार्ड्स है

पुलिस की बर्बरता: चोरी के संदेह में घंटों पीटा, आयोग ने मांगा जवाब

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल शहर में डेढ़ माह पुराने एक चोरी के मामले में बैरागढ़ पुलिस और कोहेफिजा पुलिस की बर्बरता का मामला सामने आया है। मामले में मप्र मानव अधिकार आयोग ने संज्ञान लिया है। आयोग के संज्ञान में आया है कि, विगत 08 फरवरी को लालघाटी स्थित एक मैरिज गार्डन में हुई चोरी के संदेह में एक दिन पहले भैंसाखड़ी रोड स्थित एक अन्य गार्डन में आए एक पति-पत्नी को चोरी के संदेह में युवक को पकड़कर थाने में ले जाकर उनके साथ मारपीट की। जबकि पति-पत्नी का कहना है कि जहां चोरी हुई है वहां गार्डन में मौजूद नहीं थे। मामले में आयोग ने पुलिस कमिश्नर को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही पीड़ितों के डॉक्टरी परीक्षण कराकर मेडिकल रिपोर्ट सहित आवश्यक दस्तावेज सहित रिपोर्ट भी तलब की है।

पुलिस कमिश्नर से मेडिकल, आवश्यक दस्तावेज सहित पूरी रिपोर्ट भी मांगी

जिला पंचायत सीईओ का जमानती वारंट : आयोग ने वर्ष 2021 के एक मामले में अब तक जवाब न देने के कारण विदिशा जिला पंचायत के सीईओ पांच हजार रुपए का जमानती वारंट जारी किया है। इसके साथ ही आयोग ने 28 अप्रैल को आयोग के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश भी जारी किए हैं। आयोग से मिली जानकारी के अनुसार, आयोग में दर्ज प्रकरण के अनुसार आवेदक हरमोहन सिंह राजपूत पुत्र अमान सिंह निवासी-ग्राम रमपुरा जागीर, तह. शमशाबाद, जिला विदिशा एवं अन्य ने अनावेदक सुशीला बाई रोजगार सहायक, सचिव व अन्य ग्राम पंचायत के द्वारा आवेदकगण से आयुष्मान कार्ड बनवाने के नाम से आधार कार्ड लेकर व मोबाइल से फोटो खींचकर अंगूठा मशीन में लगवा कर छल कपट पूर्वक नकली ऋण खाता खोलकर एटीएम कार्ड से धनराशि निकाल लेने पर प्राथमिक दर्ज कराने की शिकायत आयोग में दर्ज कराई थी। आयोग ने प्रकरण दर्ज कर पुलिस अधीक्षक, विदिशा से मामले की जांच कराकर प्रतिवेदन चाहा। आयोग ने मामले में निरंतर सुनवाई की, लेकिन बार-बार पत्र भेजने के बाद भी जिला पंचायत सीईओ द्वारा न तो जवाब प्रस्तुत किया गया और न ही वह उपस्थित हुए।

यूरोलॉजी शिविर में 70 रोगी के होंगे ऑपरेशन

हिरदाराम नगर. संत हिरदाराम नगर स्थित सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में चल रहे 100वें निःशुल्क यूरोलॉजी शिविर में अब तक 536 रोगियों ने इलाज के लिये पंजीयन कराया है। इनमें से 402 पुरूष तथा 134 महिला रोगी शामिल हैं। शिविर में रोगियों का ऑनलाईन और ऑफलाईन पंजीयन किया गया। आवश्यकतानुसार डॉ. सी.पी. देवानी, डॉ. सुधीर लोकवानी और डॉ. गौरव बवादिया ने इसी अवधि में प्रतिदिन रोगियों को बुलवाकर उनके रोग का परीक्षण किया जबकि रोगियों की पैथालॉजी एक्सरे, सोनोग्राफी और फिटनेस जांचें डॉ. दीपक झांगियानी और डॉ. नरेश हिमथानी ने की। मरीजों के परीक्षण में डॉक्टरों को मूत्र व्याधियों से पीड़ित कुल 70 मरीज मिले हैं। इनमें हर्निया के 18, गुर्दे में पत्थरी के 09, पेशाब की थैली में पत्थरी के 04, मूत्र नलिका में पत्थरी के 04, हाइड्रोसिल का एक, प्रोस्टेट ब?ने के 22 तथा अन्य मूत्र बीमारियों के 12 रोगी शामिल हैं। इनके अलावा भी अन्य रोगियों की जांचें चल रही है । चिन्हित रोगियों को ऑपरेशन के लिए भर्ती किया जायेगा। रोगियों के ऑपरेशन 28 से 30 मार्च तक किये जायेंगे। शिविर में जिन रोगियों ने पंजीयन करवाया है, उनकी संख्या का स्थानवार विवरण इस प्रकार है। भोपाल जिले से 394, शाजापुर से 38, सीहोर से 22, होशंगाबाद से 18, रायसेन से 11, राजगढ़ से 12, बैतूल से 03, विदिशा से 09, गुना से 04, हरदा से 05, इंदौर से 04, सागर से 03, रीवा और ग्वालियर से 02-02, भिंड, छतरपुर, दमोह और देवास से एक-एक, उतरप्रदेश से 03 गुजरात से 02 रोगियों ने इलाज हेतु पंजीयन कराया है।

हनुमान जी को ज्ञापन दिया

भोपाल. दोपहर मेट्रो। आंबेडकर पार्क स्थित हनुमान मंदिर में आउटसोर्स टेलीमेडिसिन लेब टेक्निशन कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर भगवान हनुमान जी को ज्ञापन दिया।

केंद्रीय साहित्य अकादेमी ने आयोजित किया साहित्य मंच कार्यक्रम

गद्य पद्य रचनाओं की हुए सराहना

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

केंद्रीय साहित्य अकादेमी ने सिंधी साहित्य मंच का आयोजन वीना कला एवं सेवा समिति के सहयोग से किया । अकादेमी द्वारा यह इस वर्ष का प्रथम आयोजन रहा। इसके पूर्व अकादेमी द्वारा गत वर्ष तीन आयोजन भोपाल में और एक इंदौर में किए जा चुके हैं। साहित्य मंच के अंतर्गत वरिष्ठ कवि श्री नारी लच्छवाणी, कन्हैया मोटवाणी, द्रोपदी चंदनाणी और बल्लू चोइथाणी ने काव्य पाठ किया । कार्यक्रम में साहित्य प्रेमियों ने रुचि पूर्वक हिस्सा लिया। कवियों ने वर्तमान समाज में आए परिवर्तन के साथ प्रेम और हास्य आधारित रचनाएं सुनाई। राकेश शेवाणी ने कहानी पाठ किया। अकादेमी की योजनाओं और गतिविधियों की जानकारी अकादेमी के सिंधी भाषा सलाहकार मंडल सदस्य अशोक मनवानी ने दी । अकादेमी की ओर से साहित्यकारों का

स्वागत किया। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार साहित्य अकादेमी पुरस्कृत लेखक खीमन मूलाणी , साहित्य अकादेमी अनुवाद पुरस्कृत लेखक भगवान बाबाणी के अलावा नंद सनमुखाणी आदि उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर

रविन्द्र भवन में दो दिवसीय वॉटर फॉर ऑल-ऑल फॉर वॉटर

समाज के समस्त प्रश्नों का समाधान, शिक्षा मंदिरों से होगा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

समाज में किसी भी तरह के संकट का समाधान करने कोई और नहीं आएगा। समाज के संकटों के समाधान भी, समाज की ही सहभागिता से संभव हैं। वर्तमान परिदृश्य में जल संकट एक सामाजिक प्रश्न हैं, इसका समाधान भी समाज को ही करना होगा। वैश्विक परिधियों में आने वाले समय में कुछ ऐसे भी और संकट हैं, जिनके समाधान हमें शिक्षा के माध्यम से ही मिलेंगे। समाज के समस्त प्रश्नों का समाधान, हमारे शिक्षा के मंदिर ही करेंगे और हम उसकी ओर आगे ब? रहे हैं। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कही।

भोपाल स्थित रविन्द्र भवन में परमार्थ समाजसेवी संस्था और समर्थन संस्था के संयुक्त तत्वावधान में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता के लिए आयोजित दो दिवसीय वॉटर फॉर ऑल-ऑल फॉर वॉटर कार्यक्रम का शुभारम्भ उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने किया। इस अवसर पर मंत्री परमार ने प्रदेश के बुंदेलखंड के विभिन्न जिलों से आए, नन्हे बच्चों एवं विद्यालयीन विद्यार्थियों के द्वारा जल संरक्षण पर तैयार की गई

प्रदर्शनी का शुभारम्भ भी किया।

जल का संरक्षण करना बहुत बड़ी चुनौती

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में जल का संरक्षण करना बहुत बड़ी चुनौती है और यह चुनौती इस रूप में है कि हमारे पूर्वजों ने जल का संरक्षण करने का मंत्र दिया था लेकिन वह हम भूल गए हैं। भारतीय समाज में यह ज्ञान रूपी मंत्र, पूर्वजों के द्वारा स्थापित परम्पराओं एवं मान्यताओं के रूप में विद्यमान है। जल संकट अलावा भी दूसरे संकट सामने दिखने लगे हैं, इसके लिए फिर से जन जागरण करने की आवश्यकता है। लोगों को जल संरक्षण के विभिन्न तरीकों से अवगत कराना, यह केवल सरकार का ही नहीं बल्कि समाज का भी दायित्व है और हर सामाजिक संगठन और हर व्यक्ति की भी जिम्मेदारी है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि जल संरक्षण के लिए कुछ ना कुछ प्रयास करें।

एम्स: एन्डोल्युमिनार कोर्स एवं फैकल्टी परीक्षा 2 से 6 अप्रैल तक

भोपाल. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में एसोसिएशन आफ कोलोन एंड रेक्टल सर्जन्स ऑफ इंडिया द्वारा 28वां एन्डोल्युमिनार कोर्स एवं फैकल्टी परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। 2 से 6 अप्रैल तक चलने वाले इस आयोजन की मेजबानी भोपाल सर्जिकल सोसायटी द्वारा की जाएगी। भोपाल सर्जिकल सोसायटी के मीडिया प्रभारी डॉ. आईके चुघ ने बताया कि इस आयोजन के तहत पहले तीन दिनों तक कोलोप्रोक्टोलाजी पर देशभर के प्रतिष्ठित सर्जन्स व्याख्यान देंगे और कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। इसके बाद एफएसीआरएसआई फैकल्टी परीक्षा होगी, जिसमें विशेषज्ञ सर्जनों की योग्यता का आकलन किया जाएगा। आयोजन में एम्स भोपाल के कार्यकारी निदेशक डॉ अजय सिंह, भोपाल सर्जिकल सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. सुनील मलिक, डॉ. राजीव श्रीवास्तव, डॉ. बैजाल कांके सहित कई वरिष्ठ सर्जन शामिल होंगे।

अधिकारियों का मानना गांवों में शिक्षा के प्रति जागरुकता बढ़ी

5वीं-8वीं के परीक्षा परिणाम: ग्रामीण बच्चों ने शहरी को पछाड़ा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा जारी किए पांचवी-आठवींके परिणामों में इस बार ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे आगे रहे हैं। अधिकारियों की माने तो गांवों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बड़ी है। नतीजन ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों ने बाजी मारी है। गांवों के बच्चों ने शहरी बच्चों को पीछे छोड़ते हुए 5वीं में 93.97 प्रतिशत और 8वीं में 90.80 प्रतिशत परिणाम हासिल किया है।

वहीं कक्षा 5वीं में शहरी स्कूलों के करीब 89.15 और 8वीं कक्षा में 88.07 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। यानि 5वीं में ग्रामीण क्षेत्रों का परिणाम 4.82 और 8वीं में 2.73 प्रतिशत अधिक रहा है।

सरकारी स्कूलों में कक्षा 5वीं में 93.24 प्रतिशत छात्र, निजी स्कूलों में 91.99 प्रतिशत

फाइल फोटो

और मदरसों के 76.83 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। इसी प्रकार कक्षा 8वीं में सरकारी स्कूलों के 89.13 प्रतिशत, प्राइवेट के 91.73 प्रतिशत और मदरसों के 67.72 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए।

असफल विद्यार्थियों को मिलेगा एक और मौका

राज्य शिक्षा केंद्र संचालक हरजिंदर सिह ने कहा कि हमारा प्रयास बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना एवं सीखने के लिए अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के स्तर की वस्तुस्थिति के सर्वाधिक आंकड़े विश्लेषण करने में मध्यप्रदेश देश भर में अग्रणी राज्य बनने जा रहा है। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों के बेटे-बेटियां अब कमजोर नहीं रह गए हैं। असफल हुए विद्यार्थियों के लिए जल्द ही पुनः परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी।

12 हज़ार 623 केन्द्रों पर परीक्षा, 322 केन्द्रों पर किया गया मूल्यांकन

राज्य शिक्षा केन्द्र ने द्वारा 12 हज़ार 623 सर्व सुविधायुक्त विद्यालयों में परीक्षा केन्द्रों का निर्माण किया गया था। बोर्ड पैटर्न पर उत्तर पुस्तिकाएं एक विकासखंड से दूसरे विकासखंड पर तथा ज़िले मुख्यालय की उत्तर पुस्तिकाएं जिले के डाइट केन्द्र पर मूल्यांकन हेतु भेजी गई थी। जिनके मूल्यांकन उपरांत 322 मूल्यांकन केन्द्रों से मोबाइल एप पर ऑन स्पॉट अंकों की प्रविष्टि के बाद परीक्षा परिणाम तैयार हुआ है।

50 हजार खेत तालाब बनेंगे नदियां ऑनलाइन होंगी

सरकार ने तैयार की 30 मार्च से अगले 90 दिन की नई कार्ययोजना

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश को 50 हजार नए खेत तालाब मिलेंगे। नदियों की समस्त जानकारी आदि आनलाइन होंगी । तालाबों की निगरानी भी बढ़ाई जाएगी। कोई भी जल स्त्रौत उपेक्षित नहीं रहेगा। भविष्य को बेहतर बनाने की दृष्टि से सरकार इस दिशा में 30 मार्च से जल गंगा संवर्धन अभियान शुरू करने जा रही है, जो 30 जून तक चलेगा।

उक्त् अवधि में 90 लघु व मध्यम सिंचाई परियोजनाओं का काम शुरू होगा, 50 हजार खेत तालाबों का निर्माण होगा। जबकि पंचायतें 1000 नए तालाबों का निर्माण करेंगी। 40 हजार किलोमीटर लंबी नहरों को पक्का करने के काम किए जाएंगे। प्रदेश के सभी 55 जिलों की वाटर बॉडीज का डिजिटल डाटाबेस तैयार किया जाएगा। 1 लाख जलदूत तैयार किए जाएंगे।

ये काम भी होंगे

- नदियों में जलीय जीवों को पुनर्स्थापित करने की संभावनाएं तलाशी जाएगी।
- ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व के तालाबों, जल स्त्रोतों का संरक्षण होगा।
- 50 से अधिक नदियों के वॉटर शेड क्षेत्र में जल संरक्षण एवं संवर्धन के काम होंगे।
- नदियों की जल धाराओं को जीवित रखने के लिए ट्रेंच, पौध-रोपण, चेकडैम के काम भी होंगे।
- नर्मदा परिक्रमा पथ का चिन्हांकन कर जल संरक्षण एवं पौध-रोपण की तैयारी की जाएगी।
- ग्रामीण क्षेत्रों में पानी चौपाल लगेंगी, स्थानीय लोगों को जल संरचनाओं के रख-रखाव की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।
- सीवेज का गंदा पानी जल स्त्रोतों में न मिले, इसके लिए सोक पिट निर्माण को प्रोत्साहित किया जाएगा।
- जलाशयों से रिसाव रोकने, तालाबों की पिचिंग, बैराज मरम्मत कार्य होंगे।
- नगरीय विकास एवं आवास विभाग 54 जल संरचनाओं के संवर्धन के काम भी होंगे।
- बांध तथा नहरों को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा।
- सदानीरा फिल्म समारोह, जल सम्मेलन, प्रदेश की जल परंपराओं पर आख्यान, चित्र प्रदर्शनी समेत विभिन्न आयोजन होंगे।

एक अप्रैल से स्कूल चलें हम अभियान, मुख्यमंत्री डॉ. यादव होंगे शामिल

स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी कलेक्टर्स को जारी किए दिशा-निर्देश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में नवीन शिक्षण सत्र वर्ष 2025-26 की शुरुआत एक अप्रैल से स्कूल चलें हम अभियान के रूप में की जायेगी। अभियान के दौरान प्रदेश में एक से 4 अप्रैल, 2025 तक प्रतिदिन शालाओं में कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिला कलेक्टर्स और जिला शिक्षा अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किये हैं। अभियान के दौरान सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के नामांकन पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। प्रदेश में करीब 92 हजार सरकारी स्कूल हैं। इनमें प्रायमरी, मिडिल, हाई और हायर सेकण्डरी स्कूल हैं। इन स्कूलों में लगभग 85 लाख बच्चे अध्ययनरत हैं। स्कूल चलें हम अभियान का राज्य स्तरीय कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में होगा। कार्यक्रम के आयोजन की रूपरेखा स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा तैयार की जा रही है।

स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह की अध्यक्षता में हुई पाठ्यपुस्तक निगम की बैठक

प्रदेश में इस वर्ष शालाओं में शैक्षणिक सत्र एक अप्रैल 2025 से प्रारंभ किया जा रहा है। शैक्षणिक सत्र शुरू होते ही स्कूल चलें हम अभियान की शुरुआत होगी। पाठ्यपुस्तक निगम ने इस वर्ष सत्र शुरू होते ही शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों को निशुल्क पाठ्यपुस्तकों की वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। यह जानकारी स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह की अध्यक्षता में मंत्रालय में बुधवार को हुई पाठ्यपुस्तक निगम की बैठक में दी गई। बैठक में सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल, आयुक्त लोक शिक्षण शिल्पा गुप्ता एवं विभागीय अधिकारी मौजूद थे। बैठक में बताया गया कि निगम का प्रयास है कि सरकारी स्कूलों के बच्चों को शिक्षण सत्र शुरू होते ही अप्रैल माह में निशुल्क पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध हो जायें। कक्षा एक से कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिये करीब 5 करोड़ 60 लाख पुस्तकें, एक करोड़ 2 लाख फाउंडेशनल लिटरेसी एण्ड न्यूमरेसी (एफएलएन) अभ्यास पुस्तिकाएं और करीब 26 लाख ब्रिज कोर्स की पुस्तकें निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। बैठक में बताया गया कि स्कूल शिक्षा विभाग के मैदानी अमले को बच्चों के बीच में पाठ्य पुस्तकों के वितरण की व्यवस्था समय पर सुनिश्चित करने के लिये कहा गया है। बैठक में निगम के आय-व्यय पत्रक और आगामी वर्ष 2025-26 के प्रस्ताव पर चर्चा कर अनुमोदन दिया गया।

बीयू का बजट: 125.63 करोड़ की आय और 135.43 करोड़ रुपए व्यय

कार्यपरिषद (ईसी) की बैठक में 9.79 करोड़ रुपए के घाटे के पूरा करने के लिए कई योजनाएं बनाई

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में कुलगुरू प्रो. एसके जैन की अध्यक्षता में कार्यपरिषद (ईसी) की बैठक हुई। बैठक में इसमें 9.79 करोड़ घाटे का बजट पेश किया गया। इसमें 125.63 करोड़ की आय पर 135.43 करोड़ व्यय का प्रावधान किया गया है। बीयू द्वारा पेश किए गए बजट में 9.79 करोड़ रुपए के घाटे के पूरा करने के लिए कई योजनाएं बनाई गई हैं। इसमें सबसे पहले एडमिशन संख्या बड़ाकर घाटे की पूर्ति की जाएगी।

इसके साथ ही घाटे की प्रतिपूर्ति के लिए रिसर्च कार्य में विशेष फोकस किया जाएगा। रिसर्च के लिए 75 लाख का प्रावधान किया गया है, इससे रिसर्चर को फैलोशिप देकर रिसर्च कार्य को बड़ावा दिया जाएगा। इतना ही नहीं रिसर्च कार्य को बड़ावा देने के लिए केन्द्रीय एचआरडी सेंटर स्थापित किया जाएगा, इसके लिए बजट में 50 लाख का प्रावधान किया गया है। ईसी में इस बार तीन नए सदस्य शामिल किए गए हैं। इसमें से एक बीयू के प्रोफेसर शामिल है। बैठक में सामने आया है कि बीयू में संचालित सेल्फ फाइनेंस के कोर्सों से बीयू को सालाना करीब 41.15 लाख का लाभ हो रहा है। बजट में सेल्फ फाइनेंस के कोर्सों से 7 करोड़ 97 लाख 40 हजार की आय पर 7 करोड़ 56 लाख 25 हजार के व्यय का प्रावधान किया गया है। कैम्पस का 5.42 करोड़ से इंफ्रास्ट्रेक्चर सुधारकर स्टूडेंट्स को लुभाएगा।

बजट के मुख्य बिंदु

बजट में परीक्षाओं के संचालन के लिए 18 करोड़ रुपए, कैम्पस के इन्फ्रास्ट्रक्चर व रखरखाव के लिए 5.42 करोड़ रूपए, यूटीडी की प्रयोगशाला के लिए 3.10 करोड़ रूपए, लाइब्रेरी मोडोनाइजेशन के लिए 1 करोड़ रूपए, रिसर्च कार्य के लिए 75 लाख रूपए, रिसर्च को बड़ावा देने केन्द्रीय एचआरडी स्थापित करने के लिए 50 लाख रूपए, इनोवेशन व बेस्ट रिसर्च प्रैक्टिस के लिए 5 लाख रूपए, दीक्षांत और पुरस्कार के लिए रू 25 लाख रूपए, नेक की तैयारी करने आईक्यूएसी सेल के लिए 15 लाखड़रूपए, केन्द्रीय पुस्तकालय के लिए 25.70 लाख रूपए और बीमारी के लिए आर्थिक सहायता व आईयूएमएस के लिए 20-20 लाख रूपए का प्रावधान किया गया है।

अखाड़े की मनाही के बावजूद नए कानून से किसानों की जमीन छीनने का षड़यंत्र

मप्र कांग्रेस का आरोप

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कांग्रेस प्रवक्ता और उज्जैन जिले के मीडिया प्रभारी संतोष सिंह गौतम ने बताया मध्यप्रदेश सरकार का लैंड पूलिंग और भूमि अधिग्रहण कानून किसानों की जमीन छीनने का षड्यंत्र मात्र है।

उज्जैन में स्पिरिचुअल सिटी के नाम पर प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण को लेकर एक बेहद दिलचस्प और गंभीर तथ्य सामने आया है। अखाड़ा परिषद ने पहल करते हुए अधिकारियों और किसानों की एक संयुक्त बैठक बुलाई थी। इस बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों ने भूमि अधिग्रहण के तमाम फायदे गिनाने की कोशिश की, लेकिन वहां मौजूद लगभग 200 किसानों ने दो टूक शब्दों में कह दिया कि 'हम अपनी जमीन नहीं देंगे।' किसानों का स्पष्ट मत था कि सिंहस्थ मेला अपने परंपरागत स्वरूप में ही आयोजित होना चाहिए।

गौतम ने कहा कि बैठक में शामिल संतों ने भी यह साफ कर दिया कि जब सभी 13 अखाड़ों के पास अपनी निजी जमीन मौजूद है, तो सिंहस्थ

मेला-2028 के लिए शासन द्वारा दी जाने वाली अस्थायी जमीन ही उनके लिए पर्याप्त होगी। सभी संत-महंत एक स्वर में कह रहे हैं कि उन्हें कोई नई स्थायी जमीन नहीं चाहिए।

उन्होंने सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा, जब न संतों को नई जमीन चाहिए और न ही किसान अपनी जमीन देना चाहते हैं, तो फिर सरकार को ऐसी क्या हड़बड़ी और लालच है कि वह साधु-संतों के नाम पर किसानों की जमीन छीनना चाहती है। यह गौतम ने कहा कि ऐसा लगता है कि कोई बड़ा 'मगरमच्छ' छोटी मछलियों के साथ मिलकर, उनके नाम पर जमीनों को हड़पने की साजिश रच रहा है।

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विवि को नैक से मिला ए ग्रेड

भोपाल। प्रदेश के उज्जैन स्थित महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) द्वारा ए ग्रेड मिला है। इस अवसर पर उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने उच्च शिक्षा विभाग एवं विश्वविद्यालय परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं हैं। बता दें कि राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की टीम ने उज्जैन स्थित महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय का निरीक्षण कर विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रम गुणवत्ता, शिक्षण-प्रशिक्षण एवं मूल्यांकन, शोध, नवाचार, आधारभूत ढांचा एवं संसाधन, विद्यार्थी सहयोग एवं प्रगति, गवर्नेंस एवं लीडरशिप मैनेजमेंट सहित विविध मानकों के आधार पर परखा था। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय को निर्धारित मानकों पर ए ग्रेड से प्रत्ययित किया गया है।

होल्कर की याद में मप्र दूसरे राज्यों में खोलेगा महेश्वरी साड़ी बिक्री केंद्र

भोपाल। लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर के शासन काल के कामों को जन—जन तक पहुंचाने के लिए महेश्वरी साड़ी के बिक्री केंद्र दूसरे राज्यों में भी खोले जाएंगे। इन साड़ियों का उत्पादन देवी अहिल्या बाई होल्कर के समय कराया गया था, जो आज के दौर में बहुत पसंद की जाती है। मप्र ये केंद्र महाराष्ट्र, हरियाणा, उड़ीसा, कर्नाटक, गुजरात, बिहार, उत्तरप्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों में खोले जांएगे। लोकमाता की 300वीं जयंती आयोजन समिति की बैठक में यह निर्णय लिए।

डिजिटल युग में तकनीकी दृष्टिकोण से अनुकूलन पर भी फोकस करें: प्रो. त्रिपाठी

मॉडर्न लाइब्रेरीज एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज विषय पर विशेष प्रशिक्षण

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग के लाइब्रेरियन के लिए मॉडर्न लाइब्रेरीज एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज विषय पर आयोजित 6 दिवसीय विशेष ट्रेनिंग का आयोजन किया जा रहा है। प्रोग्राम को संबोधित करते हुए एनआईटीटीटीआर के डायरेक्टर प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने कहा कि ग्रंथपाल का कार्य केवल पुस्तकों और जानकारी का प्रबंधन करना नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग को शिक्षा, जानकारी, और व्यक्तिगत विकास के अवसर प्रदान करना है। उनका योगदान समाज के समग्र विकास और परिवर्तन में अत्यंत महत्वपूर्ण है। आप सभी डिजिटल युग में तकनीकी दृष्टिकोण से अनुकूलन पर भी फोकस करे। एनआईटी अगरतला के निदेशक प्रो. अभय कुमार ने मॉडर्न लाइब्रेरीज में एआई के उपयोग पर चर्चा की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लाइब्रेरियन ने वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन, सूचना प्रबंधन, अनुसंधान सहायता, डिजिटल युग में तकनीकी दृष्टिकोण से अनुकूलन, डिजिटल आर्काइव्स, लाइफ़लोंग लर्निंग, आईपीआर, प्रबंधकीय कौशल, कम्युनिकेशन स्किल्स, डिजिटल सॉफ्टवेयर्स आदि पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस अवसर पर निटर भोपाल के संजय त्रिपाठी, महादेव सवदत्ति, शोभा लेखवानी, बबली चतुर्वेदी उपस्थित थी।

लाइब्रेरियन की समाज में महत्वपूर्ण भूमिका: प्रो. पीके पुरोहित: निटर भोपाल के डीन कॉर्पोरेट एंड इंटरनेशनल रिलेशन्स प्रो. पी.के पुरोहित ने कहा कि लाइब्रेरियन समाज में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उनका योगदान कई दृष्टिकोणों से महत्वपूर्ण है। आईसर भोपाल के डॉ. संदीप कुमार पाठक ने कहा कि ग्रंथपाल का कार्य केवल पुस्तकों और जानकारी का प्रबंधन करना नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग को शिक्षा, जानकारी, और व्यक्तिगत विकास के अवसर प्रदान करना है।

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद
(शिक्षा मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग के अंतर्गत
भारत सरकार का एक सांविधिक निकाय)
नेल्सन मंडेला मार्ग, वसंत कुंज, नई दिल्ली - 110070
सत्यमेव जयते
Government of India

विज्ञापन संख्या - अभातशिप/प्रशासन ब्यूरो/02 (03)/2025

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (अभातशिप) के सदस्य सचिव के पद हेतु विज्ञापन – आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ाने के सम्बन्ध में ।

यह विज्ञापन संख्या अभातशिप/प्रशासन ब्यूरो/02 (02)/2025 के संदर्भ में है कि अभातशिप के सदस्य सचिव के पद हेतु आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि दिनांक 11.04.2025 तक बढ़ा दी गई है। अन्य शर्तें उल्लिखित विज्ञापन के अनुरूप ही हैं।

cbc21300/12/0020/2425

संपादकीय

खुद ही पहल करें तो बेहतर

आजकल न्यायपालिका की चर्चा आम लोगों की जुबान पर है, मीडिया में है और सोशल मीडिया में भी छाई हुई है। इनमें इलाहाबाद हाइकोर्ट के एक जज द्वारा नाबालिग के यौन शोषण मामले में दिए गए फैसले पर बवाल मचा तो सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया और फैसले के कई हिस्सों पर रोक लगा दी। शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के इस फैसले पर खेद प्रकट करते हुए इसमें संवेदनशीलता की कमी रेखांकित की है और न्यायाधीश की टिप्पणियों को असंवेदनशील एवं अमानवीय दृष्टिकोण वाला बताया है। यह बात किसी को गले नहीं उतर पा रही कि जब पाक्सो कानून में स्पष्ट रूप से किसी बच्चे के साथ गलत हरकतों को आपराधिक कृत्य माना गया है, तब कैसे इलाहाबाद उच्च न्यायालय के संबंधित न्यायाधीश को न्यायिक विवेचन करते समय यह गंभीर दोष नहीं जान प?ा। इसी तरह दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के घर से कथित तौर पर जले हुए नोटों की गड्डियां बरामद होने की खबरों के बाद जहां इस मामले की जांच शुरू हो गई है, वहीं इससे जुड़ी बहस का दायरा भी फैलता जा रहा है। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि अगर जजों की नियुक्ति से जुड़ा एनजेएसी एक्ट लागू होने दिया गया होता तो आज ऐसी स्थिति नहीं होती। जाहिर है, इस घटना ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता और उसके उत्तरदायित्व से जुड़ी पुरानी बहसों को नया रूप दे दिया है। वैसे तो न्यायपालिका के वरिष्ठ सदस्यों के आचरण को लेकर विवाद पहले भी होते रहे हैं। लेकिन आर्थिक भ्रष्टाचार से जुड़े मामले अक्सर बड़ा मुद्दा बन ही जाते हैं। मिसाल के तौर पर, कलकत्ता हाईकोर्ट के सिटिंग जज अभिजीत गंगोपाध्याय का पद से इस्तीफा देकर बीजेपी के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ना या इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर यादव का एक खास समुदाय के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक बयान देना उतना बड़ा मुद्दा नहीं बना। किसी बार एसोसिएशन ने उन मामलों में ऐसा मुखर विरोध नहीं किया जैसा जस्टिस वर्मा के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन कर रहा है। जजों पर लगने वाले गंभीर आरोपों के संदर्भ में देखें तो अब तक के अनुभव से साफ हो गया है कि महाभियोग लाना व्यवहार में कोई कारगर विकल्प नहीं रह गया है। आरोप कितने भी गंभीर हों, इस प्रक्रिया का तार्किक परिणति तक पहुंचना काफी हद तक राजनीतिक दलों के रुख पर निर्भर करता है। मौजूदा विवाद ने न्यायपालिका के उत्तरदायित्व की जरूरत को रेखांकित किया है तो उसी अनुपात में उसकी स्वतंत्रता पर मंडराते खतरे को लेकर आगाह भी। ध्यान रखना जरूरी है कि इस विवाद से बने माहौल का कोई प्रतिकूल असर न्यायपालिका की स्वतंत्रता और जजों को हासिल संवैधानिक संरक्षण पर न पड़े। लिहाजा बीच की राह यही हो सकती है कि न्यायपालिका को उत्तरदायी बनाने के प्रयास न्यायपालिका के भीतर से ही किए जाएं। चाहे जजों की संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने की अनिवार्यता हो या हितों के टकराव के मामले समय रहते उजागर करना बाध्यकारी हो या जुडिशल ओम्बड्समैन जैसे किसी पद का सृजन हो, ऐसे तमाम विकल्पों पर विचार करने की जरूरत है क्योंकि लोकतंत्र में स्वतंत्र, निष्पक्ष, विश्वसनीय और जिम्मेदार न्यायपालिका का कोई विकल्प नहीं होता। आज भी लोग कोर्ट पर भरोसा करते हैं और इसके फैसले के इंतजार में लंबा धीरज भी रखते हैं।

प्राणी के जीवन में सन्तोष दरिद्रता का दूसरा नाम है।
- प्रेमचन्द

आज का इतिहास

- 1030: गजनवी वंश के पहले स्वतंत्र शासक सुल्तान महमूद का निधन।
- 1598: अमेरिका में पहली बार थियेटर का आयोजन।
- 1789: जॉर्ज वॉशिंगटन सर्वसम्मति से अमेरिका के पहले राष्ट्रपति चुने गए।
- 1870: भारतीय सिनेमा के पितामह धुंदीराज फाल्के उर्फ दादा साहब फाल्के का जन्म।
- 1908: खुदीराम बोस और प्रफुल्ल चाकी ने मुजफ्फरपुर में किंग्सफोर्ड के मजिस्ट्रेट की हत्या करने के लिए बम फेंका, लेकिन दो बेगुनाह बम की चपेट में आकर मारे गए।
- 1945: जर्मन तानाशाह हिटलर एवं उसकी पत्नी इवा ब्राउन ने आत्महत्या की।
- 1956: अमेरिका के पूर्व उप राष्ट्रपति एल्बेन बार्कली की वर्जीनिया में एक भाषण के दौरान मौत।
- 1973: अमेरिका के राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने देश के राष्ट्रपति के नाते वॉटरगेट कांड की ज़िम्मेदारी ली हालांकि उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वह निजी तौर पर इसके लिए जिम्मेदार नहीं हैं।
- 1975: वियतनाम युद्ध का अंत हुआ। तीन दिन के सत्तारूढ़ राष्ट्रपति दुओंग वैन मिन्ह ने अपनी सेनाओं से समर्पण करने और उत्तरी वियतनामियों से हमले रोकने को कहा।
- 1991: बांग्लादेश में भीषण चक्रवात में सवा लाख से अधिक लोगों की मौत और 90 लाख लोग बेघर।
- 1993: जर्मनी के हैम्बर्ग शहर में एक मैच के दौरान उस समय की दुनिया की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी मोनिका सेलेज़ को छुरा मारकर घायल कर दिया गया।
- 2008: चालक रहित विमान ''लक्ष्य'' का ओडिशा के बालासोर जिले के चांदीपुर समुद्र तट से सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।
- 2020: अभिनता ऋषि कपूर का निधन।

निशाना

रहे उसी पर ध्यान !

-कृष्णेन्द्र राय

जो मिला है काम ।
रहे उसी पर ध्यान ।।
इधर उधर भटकाने से ।
है गिरता सम्मान ।।
बन रहा समूह लगता ।
भ्रम का मायाजाल ।।
चेते ना अभी अगर ।
होगा बुरा हाल ।।
देखें अपना क्षेत्र ज़रा ।
कैसा पड़ा अकाल ।।
हर तरफ से आप पर ।
उठते हैं सवाल ।।
साथ साथ इस जोश के ।
होश को ठुकराया ।।
गुणा भाग ना कर जाए ।
पूरा ही सफाया ।।

भारत के सशक्त स्वास्थ्य मोर्चे का पूरी दुनिया ने लोहा माना

■ ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वस्थ भारत मिशन' के तहत देश भर में चलाई जा रही विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं से देश में व्यापक पैमाने पर बदलाव ही नहीं, बल्कि आमूल-चूल परिवर्तन आया है। यह बात हम नहीं कह रहे, बल्कि पूरी दुनिया इस योजना का लोहा मान रही है। संयुक्त राष्ट्र ने भारत में विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के तहत शिशु मृत्यु दर में कमी लाने की तारीफ की है।

इतना ही नहीं यूएन ने प्रधानमंत्री मोदी की आयुष्मान भारत योजना को भी शानदार, अनूठी एवं प्रेरक बताया है। एक कार्यक्रम के दौरान विश्व निकाय ने 'आयुष्मान भारत' जैसी स्वास्थ्य पहलों का उदाहरण देते हुए शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में भारत के प्रयासों और प्रगति की सराहना की तथा इसे 'अनुकरणीय' बताया। मोदी सरकार के ऐसे कामों एवं उपलब्धियों की आलोचना करने वालों को प्रशंसा भी करनी चाहिए, क्योंकि अच्छे काम के लिए प्रशंसा सरकारों को मूल्यवान महसूस कराती हैं और उन्हें अपने काम के प्रति अधिक वड़ादार एवं जिम्मेदार बनाती हैं। अनेक शोध के अनुसार, जो देश एवं प्रांत अपनी सरकारों की उल्लेखनीय उपलब्धियों को मान्यता देते हैं, उनकी उत्पादकता और प्रदर्शन में अधिक वृद्धि देखी जाती है और दुनिया इसकी प्रशंसा करती है। प्रशंसा और आभार व्यक्त करने से समुदाय की भावना, जिम्मेदारी और राष्ट्र के लिये कुछ अधिक सशक्त करने का एक कारण मिलता है। ऐसे कारणों से नया भारत, विकसित भारत एवं सशक्त भारत का निर्माण होता है। मोदी सरकार अनेक क्षेत्रों में अनूठा एवं विलक्षण करते हुए देश से न केवल गरीबी का कलंक मिटाया है बल्कि अनेक समस्याओं से मुक्ति भी दिलायी है। स्वास्थ्य मोर्चे पर भारत की उपलब्धियों आश्चर्यकारी रही है, कोरोना-काल में भारत ने दुनिया को स्वास्थ्य-सहायता पहुंचायी है। वर्ष 2000 के बाद भारत में नौनिहालों का जीवन बचाने की सार्थक एवं प्रभावी मुहिम छेड़ी है, जो एक बड़ी छलांग एवं उपलब्धि है। संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी के इस आकलन से मोदी सरकार अपनी पीठ थपथपा सकती है कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसी की रिपोर्ट में उन योजनाओं और कार्यक्रमों का उल्लेख किया गया है, जिनके चलते शिशुओं की मृत्युदर कम करने में सफलता मिली है। इसका अर्थ है कि बीते कुछ समय में स्वास्थ्य सेवाओं और ढांचे को बेहतर करने के लिए वास्तव में कई उल्लेखनीय कदम उठाए गए हैं। इनमें आयुष्मान भारत योजना भी है। इसका उल्लेख भी संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने विशेष रूप से किया है। यह स्वास्थ्य संबंधी विश्व की सबसे बड़ी योजना है। यह निर्धन परिवारों के लिए वरदान सिद्ध हुई है। आश्चर्य नहीं कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने कहा कि भारत ने रणनीतिक निवेश के माध्यम लाखों लोगों के जीवन को बचाने का काम किया है। आयुष्मान भारत योजना की उपयोगिता को देखकर ही हाल में 70 वर्ष की आयु के सभी बुजुर्गों को इस योजना के दायरे में लाया गया है। इसने दिखाया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, साक्ष्य-आधारित रणनीतियों और निरंतर निवेश से शिशु मृत्यु दर में ही नहीं, बल्कि अन्य स्वास्थ्य चुनौतियों में पर्याप्त कमी लाई जा सकती है।

संयुक्त राष्ट्र अंतर-एजेंसी समूह की बाल मृत्युदर आकलन रिपोर्ट में भारत, नेपाल, सेनेगल, घाना व बुरुंडी का उदाहरण दिया गया। वर्ष 2000 से भारत ने पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्युदर में 70 व नवजात शिशुओं की मृत्युदर में 61 प्रतिशत की कमी हासिल की है। स्वास्थ्य कवरेज बड़ाने, सशक्त स्वास्थ्य नीतियों एवं योजनाओं से मौजूदा स्थिति को सुधारने के लिए किए गए उपायों के कारण ऐसा संभव हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हर गर्भवती महिला मुफ्त प्रसव की हकदार है और शिशु देखभाल संस्थानों में मुफ्त परिवहन, दवाएं, निदान और आहार इसमें सहायता प्रदान करती है। भारत ने प्रसूति प्रतीक्षा गृहों, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य विंग, बीमार नवजात की देखभाल, मातृ देखभाल और जन्म दोष जांच के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। भारत ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए दाइयों व कुशल प्रसव सहायकों के प्रशिक्षण और तैनाती को भी प्राथमिकता दी है। दुनिया भर में लगभग एक अरब बच्चे पहले से ही उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का सामना कर रहे हैं और बच्चों के जलवायु जोखिम सूचकांक में भारत 26वें स्थान पर है। रिपोर्ट में पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है कि जलवायु संकट बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा पर तथा पानी जैसे आवश्यक संसाधनों तक उनकी पहुंच पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। लेकिन भारत इन स्थितियों में स्वास्थ्य चुनौतियों को कम करने के लिये सशक्त योजनाओं एवं सोच के साथ तत्पर है।

मोदी सरकार की प्रभावी स्वास्थ्य योजनाओं के बावजूद अब भी स्वास्थ्य के मोर्चे पर बहुत कुछ किया जाना बाकी है। बड़ी हकीकत यह भी है कि एक बड़ी संख्या में लोग सरकारी अस्पतालों में मजबूरी में ही उपचार कराना पसंद करते हैं। छोटे शहरों और गांवों में न केवल डॉक्टरों, स्वास्थ्य कर्मियों की कमी है, बल्कि अस्पतालों और मेडिकल उपकरणों की भी। इसके चलते इन क्षेत्रों के लोग शहरों के बड़े अस्पतालों की ओर दौड़ लगाते हैं, जहां निजी क्षेत्र के अस्पतालों के मुकाबले सरकारी अस्पताल बहुत पीछे नजर आते हैं। यह सही है कि बीते कुछ वर्षों में अनेक नए मेडिकल कॉलेज खुले हैं, लेकिन सरकार के सामने बड़ी समस्या है कि इन मेडिकल कॉलेजों से निकले डॉक्टर ग्रामीण इलाकों में सेवाएं देने के लिए तैयार नहीं होते। सरकारी अस्पतालों को सशक्त एवं सर्वसुविधायुक्त किया गया है लेकिन समय के साथ उपचार महंगा होता जा रहा है। यदि किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति को निजी अस्पताल में उपचार कराना पड़ता है तो वह कर्जे में डूब जाता है। इसका एक कारण यह भी है कि अपने यहां स्वास्थ्य बीमा का उतना चलन नहीं, जितना आवश्यक है। सरकारें इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकतीं कि अधिक आयु के लोगों के लिए स्वास्थ्य बीमा महंगा होता जाता है और इसके बाद भी उसमें अच्छा-खासा जीएसटी लगता है। सरकार को अधिक प्रभावी स्वास्थ्य परिणामों के लिये स्वास्थ्य सेवाओं एवं दवाओं को जीएसटी से मुक्त करना चाहिए।

बच्चों की बड़ती आबादी के साथ नित नई चुनौतियाँ भी बड़ेंगी। इसलिए इन चुनौतियों से निपटने के लिए बच्चों और युवाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और कौशल विकास में अधिक निवेश करना बहुत जरूरी है। जलवायु परिवर्तन से जुड़े खतरों से बहुत अधिक गर्मी, बाड़, जंगल में आग और चक्रवात जैसी घटनाओं में आठ गुना वृद्धि होने का अनुमान है और इनका सीधा असर बच्चों पर पड़ेगा। निश्चित ही मोदी सरकार इन चुनौतियों से लड़ने में सक्षम है। एक अच्छा लीडर किसी चीज का ब्लेम थोड़ा ज्यादा लेता है और क्रेडिट लेने के मामले में पीछे रहता है। दरअसल, दीर्घकालिक दृष्टिकोण के बिना कोई भी कार्रवाई स्थायी परिवर्तन लाने में विफल ही रहेगी। इतिहास अक्सर किसी आदमी से ऐसा काम करवा देता है, जिसकी उम्मीद नहीं होती। और जब राष्ट्र की आवश्यकता का प्रतीक कोई आदमी बनता है तब भले ही उसकी प्रशंसा क्यों न हो, उसका कद स्वतः बड़ जाता है। मोदी ने इस युग को वह दिया जिसकी उसे जरूरत है, वह नहीं जिसकी कि वह प्रशंसा करे।

जीवन को परिभाषित करने तक ही प्रधानमंत्री मोदी उपदेश नहीं देते, अपितु उन्होंने भारत के जीवन को बदलने एवं जीवनस्तर को ऊंचा उठाने के कार्यक्रम दिये हैं जिनमें बूड़े, बच्चे, महिलाएं, युवा सब होते हैं, वे उनसे सीधा सम्पर्क करते हैं एवं उन्हें दिशाबोध देते हैं। अब संयुक्त राष्ट्र ने मोदी के कार्यों एवं योजनाओं को अनुकरणीय एवं अनूठा माना है तो इससे देश का सीना तना है, गर्व से ऊंचा हुआ है। आपने ÷साल÷ का वृक्ष देखा होगा- काफी ऊंचा ! ÷शील÷ का वृक्ष भी देखें- जो जितना ऊंचा है उससे ज्यादा गहरा है। आखिर इस गहराई को मापने वाले संयुक्त राष्ट्र का आभार। जो भी कोई मूल्य स्थापित करता है, जो भी कोई पात्रता पैदा करता है, जो भी कोई सृजन करता है, जो देश का गौरव बड़ाता है, जो देश की ज्वलंत समस्याओं एवं त्रासदियों से मुक्ति दिलाता है, जो गीतों में गाया जाता है, उसे सलाम। मोदी के मजबूत इरादों एवं मनोबल को सलाम।

(साभार : यह निजी विचार हैं)

जल संकट से बचने पारंपरिक स्रोतों का संरक्षण और प्रबंधन जरूरी

■ पंकज चतुर्वेदी

यह कैसी विडंबना है कि जिस शहर के बीच से सदानीरा यमुना जैसी नदी लगभग 27 किलोमीटर बहती हो, वही हर साल चैत बीतते ही पानी की किल्लत के लिए कुख्यात हो जाता है। दिल्ली की पिछली सरकार अपने जल स्रोतों की परवाह साल भर नहीं करती थी और जब पानी के लिए आम लोग हलकान होते हैं, तो हरियाणा पर आरोप लगाकर सुप्रीम कोर्ट का रुख कर लेती थी। यह पिछले आठ सालों से हर बार हो रहा था। जब दिल्ली में यमुना लबालब होती है, तो यहां के नाले और कारखाने उसमें इतना जहर घोल देते हैं कि नदी सारे रास्ते हांफती रहती है। और जब पानी का संकट खड़ा होता है, तो तभी नदी की याद आती है। यह हाल केवल दिल्ली का नहीं, बल्कि देश के अधिकांश बड़े शहरों का है। बेंगलुरु, जो कभी तालाबों और जलस्रोतों से संपन्न था, आज 'केपटाउन' जैसी जल संकट की चेतावनी से जूझ रहा है। मानसून के दौरान जलभराव की स्थिति बन जाती है। मुंबई की पांच नदियां अब नाले में बदल चुकी हैं, और बरसात का पानी अब समुद्र में मिल जाता है। जरूरत के समय लोग भूजल और टैंकर के जरिए जैसे-तैसे जिंदगी काटते हैं। हैदराबाद, चेन्नई, इंदौर, पटना और श्रीनगर जैसे शहरों में भी जल संकट गहरा रहा है, हालांकि नक्शे पर ये शहर नदी, तालाब और नहरों से जुड़े हुए हैं।

राजधानी दिल्ली की 31 प्रतिशत आबादी को स्वच्छ पेयजल उनके घर के नल से नहीं मिल पाता। हजारों टैंकर हर दिन कालोनियों में जाते हैं, और लोगों के लिए पानी जुटाने के लिए भूमिगत जलस्तर को इतनी गहराई तक खोदा गया है कि सरकारी भाषा में कई इलाके अब 'डार्क जोन' के रूप में पहचाने गए हैं। दिल्ली के नजदीक गाजियाबाद, जो यमुना-हिंडन के त्रिभुज पर स्थित है, की अधिकांश कालोनियां पानी की भारी किल्लत से जूझ रही हैं। दोनों नदियां अब कूड़ा ढोने का रास्ता बनकर रह गई हैं। गुरुग्राम में जरूरत की तुलना में 105 एमएलडी कम पानी की आपूर्ति हो रही है। दिल्ली में केवल यमुना ही नहीं, बल्कि 983 तालाब, झील और जोहड़ भी हैं। जल संसाधन मंत्रालय की गणना के अनुसार,

इनमें से किसी को भी प्यास बुझाने के लायक नहीं माना जाता। दिल्ली, जो गंगा और भाखड़ा से सैकड़ों किलोमीटर दूर है, पानी मंगवाती है, लेकिन अपने ही तालाबों को इस तरह से संरक्षित नहीं करती कि वे बरसात का पानी जमा कर सकें। जिन तालाबों में पानी जमा हो सकता है और जो जीवन की उम्मीद बन सकते हैं, उनमें से तीन-चौथाई जल निकायों का इस्तेमाल सिर्फ सीवर की गंदगी बहाने के लिए होता है।

तालाबों को नष्ट करने का खमियाजा समाज ने किस तरह भुगता, इसकी सबसे बड़ी मिसाल बेंगलुरु है। यहां समाज, अदालत और सरकार सभी जमीन माफिया के सामने असहाय नजर आते हैं। यदि हम शहर की जल स्थिति पर नजर डालें तो यह अस्वाभाविक-सा लगता है कि वहां जरूरत का महज 80 प्रतिशत जल ही आपूर्ति हो पा रहा है। एक करोड़ 40 लाख की आबादी वाले महानगर में हर कदम पर जल स्रोत हैं। लेकिन अंधाधुंध शहरीकरण और उसके लालच में पारंपरिक जलस्रोतों और हरियाली का अगर यही हाल रहा, तो बेंगलुरु को केपटाउन बनने से कोई नहीं रोक सकता। सरकारी रिकार्ड के मुताबिक नब्बे साल पहले बेंगलुरु शहर में 2789 केरे यानी झील हुआ करती थीं। सन? साठ आते-आते इनकी संख्या घटकर 230 रह गई। वर्ष 1985 में शहर में केवल 34 तालाब बचे और अब इनकी संख्या तीस तक सिमट गई है। जल निधियों की उपेक्षा का ही परिणाम है कि न केवल शहर का मौसम बदल गया है, बल्कि लोग बूंद-बूंद पानी को भी तरस रहे हैं। हैदराबाद और चेन्नई में भी जैसे ही विदेशी कंपनियां आना शुरू हुईं और आबादी ब?ने के साथ मकान की जरूरत ब?ी, तालाब-नदियों को ही समेटा गया और जल संकट को स्वयं आमंत्रित कर लिया।

देश के 10 में से सात महानगरों में भूजल स्तर अब खतरनाक स्तर पर है और अब उसे और उलीचा नहीं जा सकता। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ की एक रिपोर्ट चेता चुकी है कि जब भारत आजादी के सौ साल मनाएगा तब 30 शहर जलहीन की सीमा तक सूख जाएंगे। इनमें महानगर और राजधानियां तो हैं ही, इंदौर, बठिंडा और कोयंबटूर जैसे शहर भी हैं। यह कड़वा सच है कि जलवायु परिवर्तन के चलते चरम मौसम ने जल-चक्र को गड़बड़ाया है, लेकिन इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की तरफ तेज पलायन, अनियोजित शहरीकरण, कम बरसात, अधिक गर्मी, उथले जलस्रोतों में अधिक वाष्पीकरण और जल का खराब प्रबंधनङ्क ये सभी ऐसे कारण हैं जो जल संकट के लिए प्रकृति से अधिक इंसान को जिम्मेदार ठहराते हैं।

हमारी परंपरा पानी की हर बूंद को सहेजने की रही है, जिसमें पारंपरिक जलस्रोतों जैसे तालाब, कुएं और बावड़ियों का संरक्षण शामिल है। आज, अनियोजित शहरीकरण और जल प्रबंधन की कमी के कारण जल संकट गहरा गया है। भारत में औसतन 110 सेंटीमीटर बारिश होती है, लेकिन हम उसका केवल 15 प्रतिशत ही संचित कर पाते हैं, जबकि शेष पानी नालियों और नदियों के माध्यम से समुद्र में बहकर व्यर्थ चला जाता है। प्रकृति ने पानी को एक चक्र के रूप में दिया है, और इस चक्र को बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। यदि हम पुराने जलस्रोतों की स्थिति सुधारें और जल का सही प्रबंधन करें, तो पानी की कमी का समाधान किया जा सकता है। भूजल पर निर्भरता लंबे समय तक नहीं हो सकती, इसलिए नदी-तालाबों को उनकी प्राकृतिक स्थिति में लौटाना और उनका संरक्षण करना आवश्यक है, ताकि पानी की कमी से समाज का कोई वर्ग प्रभावित न हो।
है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

सीएम ने मुख्यमंत्री समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में विभिन्न प्रकरणों का किया समाधान

जल गंगा संवर्धन अभियान में पुरानी जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार किया जाए : यादव

ई ऑफिस सिस्टम में ई फाइल के बेहतर मूवमेंट पर नर्मदापुरम एवं हरदा जिले की हुई सराहना..

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि 30 मार्च से जल गंगा संवर्धन अभियान समूचे प्रदेश में प्रारंभ किया जा रहा है। इस अभियान के तहत सभी जिलों में पुरानी जल संरचनाओं एवं जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। इसके साथ ही कुएं, बावड़ी, नदी, तालाब, नालो की साफ सफाई का अभियान भी प्रारंभ किया जाएगा। पुराने जल स्त्रोतों को सुधार कर उन्हें पेयजल के योग्य बनाया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि तत संबंध में एक विस्तृत कार्य योजना बनाएं। इस अवसर पर उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान पर लिखी एक पुस्तक का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने 30 मार्च को आने वाली गुड़ी पड़वा पर्व को धूमधाम से मनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव शुक्रवार को मुख्यमंत्री समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी संभाग के कमिश्नर एवं कलेक्टर से रूबरू चर्चा की। उन्होंने मुख्यमंत्री समाधान ऑनलाइन के तहत सिवनी, छिंदवाड़ा, गुना, विदिशा, सीहोर, दतिया, ग्वालियर, मऊगंज, टीकमगढ़, रीवा, खंडवा, छतरपुर एवं सिंगरौली जिले के हितग्राहियों की समस्याओं का निराकरण किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि गुड़ी पड़वा के पावन पर्व पर स्कूल और कॉलेज में भी व्यापक रूप से कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। मुख्यमंत्री ने बताया कि उक्त कार्यक्रमों में जिले के प्रभारी मंत्री उपस्थित रहेंगे। उन्होंने प्रारंभ होने वाले चैत्र नवरात्रि के संबंध में निर्देश देते हुए कहा कि इस दिन सभी मंदिरों में साफ सफाई एवं लाइटिंग का कार्य किया जाए। उन्होंने आगामी दिनों में ईद पर्व पर सभी जिलों में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बेहतर रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां ज्यादा श्रद्धालु आते हैं वहां पर विशेष रूप से सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। स्कूली परीक्षाओं के संबंध में निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि परीक्षाओं के दौरान लाउडस्पीकर के संबंध में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन किया जाए। उन्होंने विक्रम संवत के संबंध में भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने ई ऑफिस सिस्टम के तहत बेहतर कार्य करने पर नर्मदापुरम एवं हरदा जिले की सराहना की। मुख्य सचिव ने बताया कि ई-फाईल मूवमेंट में नर्मदापुरम जिले में बेहतर कार्य हुआ है। नर्मदापुरम संभाग का कमिश्नर कार्यालय शत प्रतिशत ई ऑफिस सिस्टम पर कार्य कर रहा है। उन्होंने सभी जिलों को नर्मदापुरम की तर्ज पर शत प्रतिशत ई ऑफिस सिस्टम के तहत कार्य करने और ई ऑफिस के माध्यम से ही फाइलों की मूवमेंट करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने आगामी दिनों में पेयजल संकट, कानून एवं व्यवस्था के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए और कहां की गेहूं उपार्जन की सभी कलेक्टर नियमित मॉनिटरिंग करें साथ यह भी सुनिश्चित करें कि किसानों को उपार्जन का भुगतान समय से हो जाए।

समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के दौरान कमिश्नर कार्यालय के एनआईसी कक्ष में नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी, पुलिस महानिरीक्षक श्री मिथिलेश कुमार शुक्ला, डीआईजी प्रशांत खरे, अपर आयुक्त आरपी सिंह, उपायुक्त राजस्व गणेश जायसवाल, संयुक्त आयुक्त विकास जी सी दोहर सहित संभागीय अधिकारी गण उपस्थित रहे। वही कलेक्टर के एनआईसी कक्ष में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना, पुलिस अधीक्षक गुरकरन सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सौजान सिंह रावत, अपर कलेक्टर डीके सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र रावत सहित संबंधित जिला अधिकारी गण उपस्थित थे।

आरईसी ने अदानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड को सौंपा ट्रांसमिशन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश को आगामी दो से तीन वर्षों में दो चर्णों में 1230 मेगावॉट विद्युत की अतिरिक्त उपलब्धता रहेगी, इस हेतु बिजली कंपनी के मुख्यालय जबलपुर में आर.ई.सी. ने अदानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड को ट्रांसमिशन एस.पी.व्ही. सौंपा। इस परियोजना के तहत मेसर्स महान एनर्जेन लिमिटेड के बंधौरा (सिंगरौली) पावर जनरेटिंग प्लांट से मप्र के हिस्से की 1230 मेगावॉट विद्युत निकासी के लिये ट्रांसमिशन नेटवर्क तैयार किया जाना है।

पारेषण अद्योसंरचना होगी विस्तारित एम.पी. ट्रांसको के मुख्य अभियंता देवाशीष चक्रवर्ती ने बताया कि मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी ने 1230 मेगावॉट विद्युत प्रदाय हेतु मेसर्स महान एनर्जेन लिमिटेड से पॉवर परचेस अनुबंध किया था, उक्त हेतु मेसर्स महान एनर्जेन लिमिटेड द्वारा 2ङ्क800 मेगावॉट क्षमता के पावर जनरेटिंग प्लांट की स्थापना प्रस्तावित है। उक्त पावर प्लांट से मध्यप्रदेश के हिस्से की 1230 मेगावॉट विद्युत निकासी हेतु नियामक आयोग के विनियमानुसार टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धा बोली प्रक्रिया के अंतर्गत पारेषण अद्योसंरचना के विस्तार हेतु मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी द्वारा मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी/एस.टी.यू. से अनुरोध किया गया था, जिसके तहत शासन ने निविदा प्रक्रिया समन्वयक (बी.पी.सी.) के लिये आर.ई.सी.पी.डी.सी.एल. (आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसलटेंसी लिमिटेड) को नियुक्त किया। टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धा बोली (टी.बी.सी.बी) में मेसर्स अदानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने 2000 करोड़ रूपये की इस परियोजना को अन्य बिडर्स के मध्य न्यूनतम दर के आधार पर हासिल करने में सफलता प्राप्त की। श्री चक्रवर्ती ने जानकारी दी कि तमाम वैधानिक औपचारिकताओं को पूर्ण करने के बाद मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी एवं मेसर्स अदानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड के मध्य पारेषण सेवा अनुबंध (ट्रांसमिशन सर्विस एग्रीमेंट) हस्ताक्षरित हुये।

आदर्श हत्याकांड में पुलिस ने किया खुलासा

हत्या करने वाले किन्नरों को अलग अलग राज्यों से को किया गिरफ्तार

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

गोंडवाना एक्सप्रेस में हुए आदर्श विश्वकर्मा हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने हत्या करने वाले किन्नरों को गिरफ्तार किया है। एसडीओपी मनोज मिश्रा ने पत्रकारवार्ता में खुलासा करते हुए बताया कि 13 मार्च को चलती ट्रेन में आदर्श विश्वकर्मा की पीट-पीटकर हत्या करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। यह चारों आरोपी किन्नर हैं और इन्हें उत्तर प्रदेश के शामली और हरियाणा के पानीपत से पकड़ा गया है। पुलिस ने दिल्ली, भोपाल, रायपुर और हरियाणा तक के 50 रेलवे स्टेशनों के 600 से अधिक सीसीटीवी फुटेज की जांच की। इसमें विभिन्न राज्यों में पुलिस टीमों का समन्वय शामिल था।

पकड़े गए आरोपियों में बिलाल उर्फ बिल्लो, वाजिद अली उर्फ तानिया शेख, आरिस अंसारी उर्फ छोटी और सौम्या उर्फ सावेज शामिल हैं। अन्य आरोपी जोया उर्फ लल्ला फरार है। सभी आरोपी उत्तर प्रदेश के शामली जिले के रहने वाले हैं। पूछताछ में आरोपियों ने वारदात कबूल कर ली है। 26 मार्च को पुलिस आरोपियों को बासौदा लेकर पहुंची। यहां से पूछताछ के बाद 28 मार्च को कोर्ट में पेश किया। यहां से जेल भेज दिया गया।

घटना 13 मार्च को आदर्श विश्वकर्मा गोंडवाना एक्सप्रेस से भोपाल से विदिशा ट्रेन से प्रतिदिन अपडाउन करता था। इसी दौरान जिस बोगी में आदर्श बैठा उसी में किन्नर भी बैठे हुए थे और आदर्श आगे निकलकर जा रहे थे तो किन्नर से पैर लग जाने से विवाद शुरू हुआ और

विवाद इतना बड़ा कि किन्नर समूह ने युवक पर ताबड़तोड तरीके से मारपीट कर दी और युवक को चलती ट्रेन से फेंक दिया। इसके अगले दिन 14 मार्च को गंजबासौदा-पवई के बीच रेलवे ट्रैक पर झाड़ियों में आदर्श विश्वकर्मा नाम के युवक की लाश मिली थी।

करीब चार दिन बाद सोशल मीडिया पर चलती ट्रेन में मारपीट का वीडियो सामने आया। वीडियो के आधार पर पुलिस ने अज्ञात किन्नरों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर जांच आगे बढ़ाई। जांच के दौरान पुलिस ने दिल्ली से भोपाल, रायपुर हरियाणा तक 50 रेलवे स्टेशनों के 600 सीसीटीवी फुटेज खंगाले। 24 मार्च को सूचना के बाद पुलिस टीम उत्तरप्रदेश के शामली के किन्नर मोहल्ले में पहुंचे। यहां से बिलाल उर्फ बिल्लू वाजिद अली उर्फ तानिया शेख को पकड़ा। इनकी निशानदेही पर पुलिस हरियाणा के पानी पानीपत पहुंची।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत: तेंदूखेड़ा थाना अंतर्गत झलौन धनेटा मार्ग पर हुआ हादसा पुलिस जांच में जुटी

तेंदूखेड़ा! तेन्दूखेड़ा थाना क्षेत्र में सड़क हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं जहां हादसों में लोगों की मौत हो रही है तो दर्जनों लोग घायल भी हो रहे हैं लेकिन पुलिस प्रशासन द्वारा इस और कोई कदम नहीं उठाए जा रहे हैं जिससे इन हादसों को रोका जा सके शुक्रवार भी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले धनेटा झलौन मार्ग पर एक बाइक सवार को अज्ञात टक्कर मारकर मौके से भाग निकला है और बाइक सवार की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो जाने का घटनाक्रम सामने आया है घटना की सूचना मिलने के 2 घंटे बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंचे जहां दोपहर 12 बजे हुए हादसे में पांच बजे युवक का शव पोस्टमार्टम के लिए तेन्दूखेड़ा लाया गया जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर जांच में लिया गया है घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार सुम्मेर सींग पिता गंगाधर गौड़ उम्र 50 वर्ष निवासी फुलर थाना तारादेही का जो रिश्तेदारी में शामिल होने के लिए बांदकपुर के पास किसी गांव गया था जहां से वापस आते समय धनेटा और हरदुआ चौराहा के समीप किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी और मौके से भाग निकला जहां हादसे में घायल बाइक सवार घटनास्थल पर ही घायल अवस्था में पड़ा रहा है जहां कुछ ही घंटों में बाइक सवार की समय पर इलाज नहीं मिलने से मौत हो गई घटना की सूचना राहगीरों द्वारा वाहन 108 और डायल 100 को दी गई जहां मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रैक्टर ट्राली में रखवाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया जहां शाम साढ़े बजे पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया गया और शव परिजनों के सुपुर्द किया मामला जांच में लिया पुलिस द्वारा अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

आज होगा सेठानी घाट पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

नर्मदापुरम। नर्मदा आव्हान सेवा समिति नर्मदापुरम व्दारा 20 वर्षों की भाँति इस वर्ष भी नवसंवत्सर गुडीपड़वा की पूर्व संध्या पर अखिल कवि सम्मेलन का आयोजन 29 मार्च दिन शनिवार को रात्रि 9 बजे से सेठानी घाट पर किया जा रहा है। कार्यक्रम संयोजक केप्टिन करैया ने बताया की जनप्रतिनिधियों, साहित्यकारो के आतिथ्य मे सुरेन्द्र यादवेंद्र राजस्थान,कौशल सक्सेना रायसेन,कुमार नीतेश नैश भोपाल, मनोज चौहान उत्तर प्रदेश,भुवन सिंह धांसू छिंदवाड़ा,राजेश लोटपोट झालावाड़, जयकृष्ण चांडक हरदा,दीपक साहू मुलताई, विनोद विद्रोही नागपुर, डॉ. प्रतीभा पटैल जबलपुर,सुनीता पटैल भोपाल अपनी प्रस्तुति देंगे।नर्मदांचल क्षैत्र के सभी साहित्य प्रेमी सादर आंमत्रित है।

भागवत कथा का ध्वज स्थापना 30 को

गंजबासौदा। तिरंगा चौक स्थित श्री गंज हनुमान मंदिर पर संपन्न होने वाले श्री राम महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन को लेकर ध्वज स्थापना 30 मार्च को की जा रही है। जिसके लिए नौलखी मंदिर से प्रात: 10 बजे से ध्वज यात्रा प्रारंभ होगी जो नगर के मुख्य मार्ग से होती हुई तिरंगा चौक स्थित श्री गंज हनुमान मंदिर कथा स्थल पर ध्वज स्थापना के साथ समापन होगी। तिरंगा चौक स्थित श्री हनुमान मंदिर पर 11 मई से 17 मई तक श्रीराम यज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन संपन्न करने वाले आयोजन एवं यज्ञकर्ता श्री महेश्वरदास त्यागी जी महाराज के द्वारा बताया गया कि श्रीराम यज्ञ का आयोजन संपन्न किया जा रहा है। जिसमें देश के विद्वान आचार्य एवं साधु संत का समागम होगा साथ ही अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक कृष्ण चंद्र शास्त्री ठाकुर जी के मुखारविंद से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन संपन्न किया जाएगा। जिसमें संपूर्ण मध्यप्रदेश एवं अन्य क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु सहभागिता करेंगे।

ओलंपियाड में अव्वल आई छात्रा का कलेक्टर ने किया सम्मान

सिवनी मालवा। जिला स्तरीय ओलंपियाड प्रतियोगिता में दो विषयों विज्ञान,हिंदी में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर विकासखंड सिवनी मालवा की शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला

रावनपीपल की छात्रा कुमारी अर्पिता मेहरा व संस्था प्रमुख श्रीमती वृषाली पगारे को कलेक्टर सोनिया मीना के द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर ने कहा कि सभी बच्चे खूब खेलें तथा खूब पढ़े लेकिन पढ़ाई,मनोरंजन तथा खेलकूद सभी का समय निर्धारित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह समय आप सभी के लिए भविष्य निर्माण की दृष्टि से बहुत ही बहुमूल्य है। उन्होंने बच्चों की इस उपलब्धि के लिए संस्था के समस्त शिक्षकों को भी शुभकामनाएं दी।

आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन बदला

नर्मदापुरम। मध्यप्रदेश शासन, महिला एवं बाल विकास विभाग, मंत्रालय वल्लभ भवन, भोपाल के निर्देशानुसार आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन समय में परिवर्तन किया गया है। नवीन आदेश के अनुसार, अब आंगनबाड़ी केंद्र प्रात: 09:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक संचालित किए जाएंगे। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग नर्मदापुरम श्री ललित डेहरिया ने बताया कि संशोधित समय सारणी के अनुसार प्रात: 09 बजे से आंगनवाड़ी खोलना तथा बच्चों का स्वागत करना, निर्मल समय बच्चों की साफ-सफाई का अवलोकन तथा आवश्यकतानुसार बच्चों की व्यक्तिगत साफ-सफाई गतिविधियां आयोजित की जाएगी।

विज्ञान मंथन यात्रा में चयनित छात्र चंडीगढ और दिल्ली का करेंगे भ्रमण

गंजबासौदा। एमपी काउंसलिंग ऑफ साइंस टैक्नालॉजी विज्ञान भवन भोपाल द्वारा कोरोना काल के बाद कक्षा नौ से बारहवीं के छात्रों के लिए विज्ञान के प्रति जागरूकता को बढावा देने के लिए विज्ञान मंथन यात्रा शुरू की जा रही है। जिसमें पूरे प्रदेश से विज्ञान में रुचि रखने वाली छात्रों को चयनित किया जाता है। इस वर्ष

विज्ञान मंथन यात्रा के लिए विदिशा जिले से चयनित कुल 35 छात्रों में से सेंट एस.आर.एस .पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल से सर्वाधिक 28 छात्रों एवं विज्ञान शिक्षिका प्रियंका अग्रवाल का चयन किया गया है। विज्ञान मंथन यात्रा के लिए चुने गए छात्र-छात्राओं का विद्यालय परिवार द्वारा कार्यक्रम आयोजित कर अभिनंदन किया गया। विज्ञान मंथन यात्रा के लिए चयनित शिक्षिका प्रियंका अग्रवाल ने बताया कि एमपी काउंसलिंग ऑफ साइंस टेक्नालॉजी विज्ञान भवन भोपाल द्वारा कोरोना काल के बाद पुन: स्कूल शिक्षा के छात्र-छात्राओं में विज्ञान के प्रति जागरूकता बढ़ाने, वैज्ञानिक संस्थानों का भ्रमण कराने, वर्तमान में हो रहे वैज्ञानिक शोध एवं आधुनिक तकनीक से अवगत कराने के लिए देश के चंडीगढ़ और दिल्ली की ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक संस्थानों की यात्रा कराई जाएगी। यह यात्रा 21 अप्रेल से 27 अप्रेल तक संचालित होगी।

विक्रमोत्सव 2025 : कल नर्मदापुरम जिले में आयोजित होंगे कार्यक्रम

नर्मदापुरम. संस्कृति विभाग मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार विक्रमोत्सव 2025 के भव्य आयोजन के लिए 30 मार्च 2025 को नर्मदापुरम जिले में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर प्रात: कालीन सूर्य उपासना एवं ब्रम्हध्वज फहराने का आयोजन सेठानी घाट, नर्मदापुरम में होगा। साथ ही, जिले के प्रमुख मंदिरों एवं शासकीय भवनों पर भी ब्रम्हध्वज स्थापित किया जाएगा। संयुक्त कलेक्टर जिला नर्मदापुरम ने बताया कि सूर्य उपासना के उपरांत प्रात: 10 बजे से 'सम्राट विक्रमादित्य' नाट्य प्रस्तुति का मंचन शासकीय नर्मदा महाविद्यालय, नर्मदापुरम के ऑडिटोरियम में किया जाएगा। आयोजन के दौरान 'भारत का नववर्ष विक्रम संवत' पुस्तिका का व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार किया जाएगा, जिससे जनमानस को भारतीय नववर्ष की महत्ता से अवगत कराया जा सके। इस आयोजन में अधिक से अधिक युवाओं, विद्यार्थियों, प्रबुद्ध नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता भी रहेगी।

वेयर हाउस के तौल कांटे में किसानों ने पकड़ी गड़बड़ी, कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

सिवनी मालवा। तहसील कार्यालय में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार दोपहर 2 बजे कांग्रेस जिला अध्यक्ष गुड्डन पाण्डेय,नगर कांग्रेस अध्यक्ष स्वदेश शर्मा के नेतृत्व में

कलेक्टर के नाम ज्ञापन एसडीएम सरोज सिंह परिहार को सौंपा। जिसमे बताया की सिवनी मालवा तहसील के अंतर्गत विगत दिवस पंचमुखी वेयर हाउस पर जिस तरह से किसान की उपज धर्मकांटे/तोल कॉंटों में सेटिंग करके चोरी की गई। ऐसे ही नगर के अधिकांस खरीदी केन्द्रों पर किसानो की उपज उनकी आंखों के सामने ही चोरी की जा रही है। जिनकी जांच करना चाहिए वे सिर्फ खानापूर्ति कर रहे है। हमारी मांग है की सिवनी मालवा के सभी खरीदी केन्द्रों पर लगे धर्मकांटे/तोल कॉंटों की जांच की जाए।

जामा मस्जिद में माहे रमज़ान के 26 बे रोज़े 27 बी शब को मनाया शब-ऐ-कद्र

तेंदूखेड़ा! 11 महीनो की इबादत एक तरफ रमजान की इबादत एक तरफ लेकिन रमजान के महीने में एक दिन ऐसा अभी है जो सबसे अफजल है वह है श्ब-ए-क़द्र की रात जिसमें लोग अपने रब को मनाने के लिए रात में जाग कर नमाज पढ़ते हैं और अपने गुनाहों की माफी अपने रब से मांगते हैं इसमें ऐसी मान्यता है कि जिसे शबे कद्र की रात मिली और वह रात में जाग कर नमाजे पड़ी और गुनाहों की माफी मांगी तो उसके 70 - 80 साल के गुनाह रब माफ कर देगा तेंदूखेड़ा की जामा मस्जिद में रमजान के महीने में चांद दिखते ही तराबीह की 20 रकात नमाज हाफिज खालिद रज़ा साहब के द्वारा पढ़ाई गई ओर 27 दिनों में पूरा क़ुरआन सुनाया गया इसी सिलसिले में मीलाद शरीफ का प्रोग्राम रखा गया जिसमे सभी ने नात-ऐ-पाक में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

मेट्रो एंकर | खाद्य विभाग की टीम एवं राजस्व की टीम ने दुकानों का किया निरीक्षण दुकानों पर की कार्रवाई

किराना स्टोर में मिली बड़ी मात्रा में एक्सपायरी डेट की सामग्री, सैंपल जांच को भेजे

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

नगर व आसपास के क्षेत्रों में एक्सपायरी डेट का सामान धड़ल्ले से बेचा जा रहा है, जिससे आम लोगों की सेहत पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। सोमवार को जबलपुर मार्ग एवं तारादेही मार्ग पर अज्ञात लोगों ने बड़ी मात्रा में एक्सपायरी खाद्य सामग्री सड़क पर फेंक दी गई, जिसे देखकर राहगीरों को हैरानी हुई। खबर की जानकारी मीडिया को लगने के बाद मंगलवार दिनांक 25 मार्च दिन मंगलवार को इस समाचार को प्रमुखता के साथ खबर प्रकाशित की थी साथी इस संबंध में जब एसडीएम से बात हुई थी तो उन्होंने टीम बनाकर दुकानों की जांच करवाने की बात कही थी

खबर के प्रकाशित होने के बाद दमोह खाद्य सुरक्षा की टीम एवं राजस्व की टीम ने एक साथ नगर एवं क्षेत्र की दुकानों पर पहुंचकर कार्रवाई की है कार्रवाई देख नगर की लगभग 95% व्यापारियों ने अपनी अपनी दुकान बंद कर दी जिसके कारण कुछ ही दुकानों पर कार्रवाई की गई हालांकि नगर की जिन दुकान पर कार्रवाई की गई है उनमें अत्यधिक मात्रा में एक्सपायर डेट का सामान मिला है साथ ही बर्नियों में रखे लड्डू में भी फफूंद पाई गई है

गुरुवार को जब अचानक

एसडीएम तारादेही पहुंचे तो उन्होंने एक बिना लाइसेंस के हार्डवेयर दुकान संचालित होना पाया इसके अलावा एक साइकिल दुकान पर काफी पुराने टोस्ट काफी मिले थे जिसके बाद उन्होंने खाद्य टीम के साथ राजस्व टीम को भी निरीक्षण में साथ में भेजा है

एक्सपायरी सामान खाने से लोग होते बीमार

नगर एवं क्षेत्र में कई व्यापारी जानबूझकर एक्सपायरी सामान गरीब और अशिक्षित ग्राहकों को बेच रहे हैं। ग्रामीणों को पैकेट पर लिखी एक्सपायरी डेट नहीं पढ़कर जानते है जिससे कई बार फूड पॉइजनिंग जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। वहीं कुछ दुकानदार एक्सपायरी सामान को नष्ट करने के बजाय सड़क पर फेंक रहे हैं।

एक्सपायरी डेट के समान बिकने का सबसे बड़ा कारण है कि समय-समय पर खाद्य विभाग की टीम निरीक्षण तो दुकानों का करती हैं लेकिन कोई कठोर कार्रवाई नहीं होने से व्यापारियों के हौसले बुलंद रहते हैं यह कहना नगर के अनेक लोगों का है नगर वासियों का यह भी कहना है यदि व्यापारियों पर समय-समय पर कार्रवाई होती रहे तो वह है अशिक्षित लोगों को एक्सपायरी डेट का सामान नहीं देंगे

नगर की केवल तीन दुकानों का निरीक्षण हो सका बाकी दुकानदारों को टीम का पता चलने के कारण वे अपनी-अपनी दुकान, प्रतिष्ठान बंद कर दिए

जिन दुकानों के सैंपल लिए गए उनमें आशू किराना, बीकानेर मिष्ठान भंडार,, हीरो किराना शामिल है वहीं खेरे वाले किराना दुकान दिगंबर किराना दुकान दिनेश किराना बम्बई किराना राहुल किराना सम्भव किराना नेमा किराना अमित किराना दुकान सहित छोटी बड़ी सभी दुकानों को व्यापारी बंद करके फरार हो गए और जैसे ही टीम वापस चली गई तो एक एक करके सभी दुकानें खुलना शुरू हो गई वहीं सूत्रों द्वारा यह भी खबर है कि व्यापारियों की खाद्य विभाग की टीम के कुछ अधिकारी कर्मचारियों के सेटिंग रहती है जिसके कारण बड़ी कार्रवाई नहीं होती

इनका कहना

इस संबंध में तेन्दूखेड़ा एसडीएम सौरभ गंधर्व का कहना है कि शुक्रवार को खाद विभाग की टीम एवं राजस्व विभाग के टीम बनाकर दुकानों की चेकिंग कराई गई है जिन दुकानों पर एक्सपायरी डेट की समान मिलेंगे कार्रवाई जरूर की जाएगी

महिला पाषर्दों के पास एजेंडा भी नहीं, चुपचाप बैठी रहीं, 1767 की आमदनी का बजट

बजट बैठक में निंदा प्रस्ताव पास करवाने प्रतिनिधि व अध्यक्ष के बीच में हुई बहस

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

नगर पालिका की बैठक में महिला पार्षदों की टेबिल से बजट का एजेंडा गायब था बोलने का मौका ही नहीं दिया या कहे कि इनको मिले अधिकार को दबाया गया । नगर पालिका परिषद की बैठक में महिला पर्षदों को साइन करने के लिए शामिल किया इनको बोलने का अवसर ही नहीं दिया वहीं पालिका परिषद की बैठक हमेशा हंगामे दार होती है।

इस बार तो पार्षद प्रतिनिधि ने नगर पालिका अध्यक्ष के सामने निंदा प्रस्ताव लाने को लेकर आवाज बुलंद करते हुए ठेकेदार कैलाश अहिरवार पर घटिया काम करवाने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह सब की छवि खराब कर रहे हैं काम गलत करता है ओर झूठी शिकायत हमारे विधायक नगर पालिका अध्यक्ष, सीएमओ पार्षदों की करता हैं इनके खिलाफ परिषद में अभी निंदा प्रस्ताव पास करके ऐसे लोगों पर करवाई होनी चाहिए इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष पालिका मनमोहन साहू ने कहा के तेज आवाज में बात मत करो आराम से बात करते हैं।

इसके बाद पार्षद प्रतिनिधि ने सभागार की गैलरी मैं आकर दंडवत प्रणाम करते हुए कहा कि अब हम लोग आगे से मुंह पर पट्टी और कानों में रुई डाल कर आएंगे बैठक में बोलने पर भी आपत्ति इससे अच्छा हम अपना ही बात ही नहीं रखेंगे परिषद को अंधी बेहरी बोलते हुए कहा कि भ्रष्टाचार करने वाले ठेकेदार और इंजीनियर पर

कार्रवाई करवाई की मांग को लेकर में मुख्यमंत्री नगरी प्रशासन मंत्री से शिकायत की बात कहीं वही नगर पालिका परिषद के द्वारा जलकर की राशि में वृद्धि के प्रस्ताव को पार्षदों ने विरोध करते हुए कहा 120 की जगह पर 100 करने पर सहमति बनी। पार्षद विपक्ष नेता नदीम खान ने कहा कि डिवाइडर लगाने का गेम कब खत्म होगा हर बैठक में इस प्रस्ताव को लाते हैं पर काम नहीं हो रहा है। हमारे पार्षदों पार्षद रामदयाल विश्वकर्मा के द्वारा 2 साल पहले एक सीसी का प्रस्ताव रखा था वहां आज तक नहीं हुआ शर्मिंदगी के कारण उन्होंने बैठक में आना बंद कर दिया ऐसी हमारी परिषद है किसी की कोई सुनवाई नहीं हो रही है। वहीं सफाई कर्मचारी बढ़ाने के साथ पार्षद हरि चरण अहिरवार ने कहा कि बड़े वार्डो में कर्मचारी काम है इनमें वृद्धि की जबकि छोटे में ज्यादा कर्मचारी है । वार्ड 21 के पार्षद फारुख गोरी ने कहा कि तीन बैठकों के एजेंट में पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा की मूर्ति लगाने का प्रस्ताव आता है। पर वह लगेगी कब। वहीं मुख्य नगर अधिकारी राम प्रकाश साहू ने बजट के एजेंडे का वाचन करते हुए कहा कि नगर विकास के लिए सभी तरह के प्रावधान कै गए हैं विधायक और पार्षद गाणे के सहयोग से भविष्य में और भी अच्छा करेंगे। 1767 रुपए लाभ का बजट पेश किया इसमें अनुमानित आय 1,559128976, अनुमानित खर्च 1559127209 का परिषद ने बजट पास किया। आभार नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू व्यक्त करके बैठक का समापन किया।

महिला पार्षदों की टेबिल पर एजेंडा भी नहीं था

लोकतंत्र से मिले अधिकार का भी खुलेआम हनन किया जा रहा है इसकी तस्वीर नगर पालिका परिषद की बजट बैठक में देखने को मिली। अधिकांश महिला जनप्रतिनिधियों को अपनी बात रखने का अवसर ही नहीं मिल पाता है। खानापूर्ति के लिए इनको बैठक में लाया जाता है।परिषद की बैठक में दर्शक बनकर महिला पार्षद मौजूद रही इनकी टेबिल पर एजेंडा भी नहीं था इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि इनकी कितनी अपेक्षा की जा रही है। एक तरफ महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार देने के लिए चुनाव में आरक्षण दिया गय पर आज भी सच्चाई यह है कि अधिकांश जगह महिलाओं को जनप्रतिनिधि होने के बाद स्वतंत्र रूप से अपनी बात रखने का अधिकार नहीं है। उनकी बात को प्रतिनिधि रखने के लिए खुली छूट नहीं देते हैं।

इनके अधिकारों को दबाने का काम जरूर हो रहा है। शुक्रवार को नगर पालिका परिषद की बैठक में मौजूद महिला पार्षदों की टेबिल बजट का एजेंडा भी नहीं था इस बात से अंदाज लगाया जा सकता है कि क्या हालात होंगे। बैठक में शांत रूप से बैठी हुई थी इनको बात रखने का मौका ही इनके प्रतिनिधियों ने नहीं दिया केवल अंजनी तोष मणिपंथी जरूर बोली जब इनके पति की अपेक्षा हुई तो कहा कि हमने इस दिन के लिए अध्यक्ष के लिए वोट दिया था कि आज हमे अपनी बात नहीं रखने दी है। इसके बाद दोनों बैठक से बाहर चले गए। दूसरी ओर लोकतंत्र ने महिलाओं अधिकार दिए गए हैं पर उसकी अनदेखी जब हो रही है जब राष्ट्रपति महिला, वित्तमंत्री महिला है।

वाटर ड्रेनेज सिस्टम के लिए 2 करोड़ का प्रावधान

नगर पालिका परिषद के द्वारा जलसप्लाई व्यवस्था में बदलाव करने ड्रेनेज सिस्टम को व्यवस्थित करने के लिए एक करोड़ 99 लाख की राशि का प्रावधान किया है। शहर में स्ट्रीट लाइट लगने 150 लाभ, जलापूर्ति,80 लाख अमृत 2 योजना 200 लाख, ट्रांसपोर्ट नगर 50 लाख,नवीन सब्जी मंडी 20 लाख, तालाब सौंदर्यकरण 200 लाख, पार्कों का संधारण 100 लाख, केथन के जीर्णोद्धार 200 लाख, स्वच्छता मिशन 500 लाख, स्वर्ग लक्ष्मीकांत शर्मा की स्मृति में मूर्ति स्थापना 30 लाख, स्वर्गीय पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा की स्मृति मेल में 50 लाख, लोकरंग संस्कृति कार्यक्रम 30 लाख, नालों का शुद्धिकरण 200 लाख, सीसीटीवी कैमरे लगाने 30 लाख,, गीता भवन निर्माण 1500 लाख, गौशाला निर्माण 200 लाख, रोड सेफ्टी 100 लाख महापुरुषों के नामकरण प्राचीन ऐतिहासिक भवनों की मरम्मत 50 लाख, विधायक निधि से निर्माण कार्य 200 लाख, सांसद निधि से निर्माण 100 लाख वहीं बजट की 30 प्रतिशत राशि गांदी बस्तियों में खर्च होगी। इसके अलावा अन्य विकास कार्यों के लिए भी प्रावधान किया गया है।

इनका कहना है

निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ करवाए जा रहे हैं बिना लैब टेस्टिंग के बाद किसी का भुगतान नहीं करते हैं, बैठक में हम लोग भी शामिल हो सकते हैं पार्षदों की जगह पर प्रतिनिधि बोलने का अधिकार नहीं है।

-राम प्रकाश साहू
नगरपालिका

हैंडपंप संधारण का विशेष अभियान

सिरोंज ! विदिशा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा हैंडपंप संधारण का विशेष अभियान 15 अप्रैल 2025 तक समस्त विकास खंडों में चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत सुधार

योग्य हैंडपंपों में विशेष खराबी एवं साधारण खराबी वाले हैंड पंप में पाइप बढ़ाकर एवं अन्य सुधार कार्य पूर्ण कर हैड पंपों को चालू किया जा रहा है। साथ ही चालू हैंडपंपों में फिलिंग ग्रीसिंग का कार्य भी सतत रूप से किया जा रहा है। विशेष संधारण अभियान अंतर्गत योजना एवं हैंडपंप के नलकूपों में जल शुद्धिकरण का कार्य भी क्लोरिनेशन के माध्यम से किया जा रहा है ताकि ग्रामवासियों को जल जनित बीमारियों से सुरक्षित किया जा सके। विशेष संधारण अभियान अंतर्गत प्रत्येक विकासखंड में हैंड पम्प संधारण वाहनों से निरंतर हैंड पम्प संधारण कार्य किए जा रहे हैं।

बोर्ड परीक्षा परिणाम घोषित: कक्षा 5 का रिजल्ट 90.4 व 8 का 87.58 प्रतिशत रहा

सिरोंज ! विदिशा बोर्ड आधारित कक्षा 5वी एवं 8वी परीक्षा का परीक्षाफल राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा आज शुक्रवार घोषित कर दिया गया है। विदिशा जिले में कक्षा 5वी में कुल 23279 दर्ज छात्रों में से 21778 छात्र परीक्षा में शामिल हुए जिनमें से 19608 छात्र उत्तीर्ण घोषित किये गये हैं। उत्तीर्ण छात्रों का प्रतिशत 90.4 प्रतिशत रहा है। जिनमें से 2736 छात्र । एवं । ग्रेड से उत्तीर्ण हुए हैं जिनका प्रतिशत 12.56: है। इसी प्रकार कक्षा 8वी के कुल 27173 दर्ज छात्रों में से 24827 छात्र परीक्षा में शामिल हुए थे। जिनमें से 21743 छात्र उत्तीर्ण हुए। उत्तीर्ण छात्रों का प्रतिशत 87.58 प्रतिशत है। उत्तीर्ण छात्रों में से 5675 छात्र । एवं । ग्रेड से उत्तीर्ण हुए हैं जिनका प्रतिशत 22.86: है। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने सफल छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं प्रेषित की हैं तथा असफल छात्र-छात्राओं को निराश नहीं होने तथा जून माह में संभावित पूरक परीक्षा के लिए मनोयोग से जुट जाने का संकल्प लेने की सलाह दी है।

वाहनों पर चालानी कार्रवाई से 44596 वसूले

सिरोंज ! कलेक्टर रौशन कुमार सिंह द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में जिला परिवहन अधिकारी द्वारा जिले की सीमा क्षेत्रों के अनेकों स्थलों पर औचक निरीक्षण कर परिवहन अधिनियमों के तहत कार्यवाही जारी है। जिला परिवहन अधिकारी श्री गिरिजेश वर्मा ने आज शुक्रवार को संपादित कार्यवाही की जानकारी देते हुए बताया कि वाहनों के विरुद्ध चेकिंग अभियान जारी है । शुक्रवार को अशोकनगर रोड एवं करारिया चैराहे पर वाहनों की चेकिंग कार्यवाही की गई। इस कार्यवाही के दौरान 09 वाहन नियम विरुद्ध चलते पाए जाने के कारण उनके विरुद्ध चालानी कार्यवाही की जाकर उनमें से 05 वाहनों के प्रकरणों के निराकरण से मौके पर कुल राजस्व 44592 रुपए वसूले किया गया है। शेष 04 वाहन प्रकरण निराकरण की प्रत्याशा में जप्त कर परिवहन कार्यालय परिसर एवं पुलिस थाना करारिया में सुरक्षार्थ रखे गए।

28 मार्च को मंडी में किसानों ने बेची उपज

सिरोंज। मार्च क्लोजिंग में 28 मार्च को प्रदेश भर की मंडियों में डंक नीलामी नहीं हुई दूसरी ओर थोक अनाज तिलहन व्यापार संघ अध्यक्ष समीर भार्गव ने किसानों के हित में

व्यापारियों को 28 मार्च को डाक करनेके लिए तैयारियां किया। इसी का परिणाम था कि 28 मार्च में नगर मंडी पहले खुलता नहीं थी उसमें कामकाज हुआ बड़ी संख्या में किसान अपनी फसल बेचने के लिए लेकर आए पहले मंडी बंद होने से कई किसान बैंकों से डिफाल्टर फसल नहीं विकपाने के कारण हो जाते थे। 28 मार्च से 1 अप्रैल तक डाक नीलामी का कार्य पूर्ण रूप से बंद होता था इस कारण से 31 मार्च तक जिन किसानों को बैंक जमा करनी होती है उन्हें परेशानी होती है इस बार व्यापारियों के निर्णय से किसानों को एक दिन और फसल बेचने का मौका मिला!

आपसी भाईचारे के साथ मनाएं त्योहार

सिरोंज। शुक्रवार को नवरात्रि एवं ईद को लेकर थाने में शांति समिति की बैठक हुई जिसमें बहुत काम संख्या में सदस्य शामिल हुए एसडीएम हर्षल चौधरी ने कहा कि यहां पर सभी त्योहार हमेशा मिल जुलकर मनाए जाते हैं। इस बार भी इसी तरह शांतिपूर्ण और सद्भावनाओं साथ मनाएं एसडीएम ने बिजली वितरण कंपनी के अधिकारियों को पर्याप्त बिजली की व्यवस्था करने निर्देश दिए वहीं नगर पालिका परिषद सीएमओ को खुले मांस विक्रय रोक लगाने के साथ साफ़- सफाई पानी-आदि की व्यवस्थाएं करने के दिशा निर्देश दिए। इसी तरह एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी ने कहा कि यहां कि यहां पर सभी लोग हमेशा मिलजुल कर एक त्योहार मानते हैं इसी तरह इन त्योहारों को बनाए आशा मलिक तत्वों पर कार्रवाई के लिए पुलिस-प्रशासन पूरी तरह से तैयार है नवरात्रि में मंदिर के आसपास पुलिस बल मौजूद रहेगा हर गतिविधि पर नजर रखी जाएगी शांति बिगड़ने की किसी ने किसी ने भी प्रयास किया तो उस पर करवाई करेंगें। समिति के सदस्यों ने भी अपने सुझाव दिए जिनको गंभीरता से लेने की बात अधिकारियों ने की।

त्योहार कमेटी ने सीएम के नाम दिया ज्ञापन, जेल में ईद मनाने के लिए मिले मौका

सिरोंज। शुक्रवार को आल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी जिला अध्यक्ष अलताफ खान ने कमेटी के साथ मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम हर्षल चौधरी को देकर मांग की है कि ईद एवं सभी धर्म के जितने भी त्यौहार होते हैं उनमें दिवाली, होली रक्षाबंधन बकरा ईद पर जेल में उनके परिजनों से पूर्व में जेलों में बंद कैदियों खुला में मिलने थे उस तरह की उसे तरह का कार्य फिर से चालू किया जाए और खुली मिलाई पर लगी रोक हटवाई जाए जिससे कि परिजन जेल में बंद परिवार जनों से जाकर आमने-सामने मिल सके ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के जिला अध्यक्ष अलताफ खान द्वारा कहा गया कि हम प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री मोहन यादव से आग्रह करते हैं कि पूर्व में जिस तरह त्योहारों पर जेल में खुली मिलाई कैदियों से उनके परिजनों की कराई जाती थी इस तरह की मिलाई दोबारा चालू करवाई जाए और खुली मिलाई पर लगी रोक हटाई जाए।

कमेटी ने सीएमओ के नाम आवेदन सौंपा पत्र

ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के तहसील अध्यक्ष इरफान कुरैशी बाबू ठेकेदार के नेतृत्व में एक मांग पत्र मुख्य नपाधिकारी राम प्रकाश साहू को सौंपा गया है। आवेदन पत्र में अवगत कराया गया है कि दिनांक 30मार्च को चांद दिखता है तो 31 मार्च को ईद का त्यौहार मनाया जाएगा। ईद से पूर्व शहर के सभी धार्मिक स्थलों एवं मुख्य सड़कों के आसपास विशेष रूप से सफाई कराए जाने की मांग की है। गौरतलब हो कि शहर सिरोंज को शांति का टापू कहां जाता है यहां पर सभी धर्म के लोग एक दूसरे के त्योहारों में सम्मिलित होते हैं और सोशल मीडिया एवं घर-घर पहुंचकर गले लककर त्योहारों पर मुबारकबाद देते हैं वही दोनों समुदाय के लोग एक दूसरे की शादी पार्टी एवं त्योहार मिलजुल कर मनाते चले आ रहे हैं जिसकी जिले में ही नहीं पूरे प्रदेश में सराहना की जाती है।

अनुमतियां नहीं लेने वाले मैरिज गार्डनों को किया तहसीलदार ने सील

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

नगर में बागैर अनुमति के संचालित हो रहे मैरिज गार्डनों को सील करने की कार्रवाई शुक्रवार को तहसीलदार संजय चौरसिया करते हुए अनुमति नहीं मिलने पर इन्हें सील कर दिया इसके बाद गार्डन संचालकों की मुश्किल में बढ़ गई है। अनुमति लेने तथा टैक्स जमा होने के बाद ही इनको खोलने की अनुमति प्रशासन के द्वारा दी जाएगी।

नगर पालिका परिषद ने नगरीय क्षेत्र स्थित समस्त विवाह स्थल/मैरिज गार्डनों को समय समय पर सूचना पत्र जारी कर अनुमति हेतु सूचित किया गया था परंतु समस्त मैरिज गार्डन एवं विवाह स्थल मालिकों द्वारा सम्पूर्ण दस्तावेज आज दिनांक तक प्रस्तुत नही किये गए इसके बाद तहसीलदार संजय चौरसिया ने शहर में स्थित मैरिज गार्डनों की जांच की । जिसमें सुहाग गार्डन, श्याम वाटिका ग अनंत श्री एवं मंगल भवन गार्डन को सील किया गया एवं सील किये गए गार्डनों के मलिकों को चेतावनी दी गई कि सभी अपने गार्डनों संबंधित सम्बंधी सम्पूर्ण दस्तावेज तैयार कर कार्यालय में उपस्थित होकर विधिवत अनुमति प्राप्त कर गार्डन संचालन की कार्यवाही करें ।जिससे उन्हे नियमानुसार गार्डन संचालित करने की अनुमति प्रदान की जा सके। इस दौरान , मुख्य नगरपालिका अधिकारी रामप्रकाश साहू, स्वास्थ्य अधिकारी धीरज मैना, राजस्व प्रभारी बालमुकुंद कुशवाह, विनोद शर्मा एवं निकाय के अतिक्रमण अमला उपस्थित रहा। एंव अन्य सभी मैरिज गार्डनों के मालिकों को चेतावनी दी गई कि सभी अनुमति ले ले इनकी भी जांच करने टीम जाएंगी ।

आंगनबाड़ी अमला पोषण-पढ़ाई से प्रशिक्षित हुआ

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा दिए गए निर्देशो पर अमल करते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा जिले की आंगनबाडी केन्द्रो को और बेहतर सुसज्जित किया जा रहा है वहीं एनजीओ संस्थानो के द्वारा अनेक विधाओं से आंगनबाडी अमले को प्रशिक्षित किया जा रहा है ताकि आंगनबाडी केन्द्रो में आने वाले बच्चे आधुनिक परिवेश के अनुरूप शिक्षित होने की श्रेणी में आगे बढ सकें। वहीं उनका स्वास्थ्य ठीक रहे और शरीर के लिए आवश्यक तत्वों की पूर्ति पोषण आहारो के माध्यम से हो।

कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा दिए गए निर्देश पर विदिशा शहरी क्षेत्र की आंगनबाडी केन्द्रो में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के द्वारा पोषण और पढ़ाई विधा से आंगनबाडी केन्द्रो की कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया है। विदिशा शहरी परियोजना अधिकारी श्री संजय सिंह ने बताया

कि एनजीओ संस्थान के द्वारा शहर की छह आंगनबाडी केन्द्रो को तीन बैच में प्रशिक्षित किया गया है जिसमें सभी सेक्टर सुपरवाईजर के द्वारा समन्वय स्थापित किया गया था।

पोषण भी पढाई भी के बारे में गहन संवादीय चर्चा के दौरान आंगनबाडी प्रणाली की अब तक की यात्रा से अवगत कराया गया। पोषण भी पढाई भी की संरचना व तीन दिवसीय अनुसूची के बारे में बिन्दुवार जानकारी दी गई है जिसमें आईसब्रेकर गतिविधि और प्रारंभिक बाल शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया गया है। तृतीय सत्र में सभी विकास के क्षेत्रो पर अलग-अलग गतिविधियों के माध्यम से जानकारियां सांझा की गई है। अंतिम सत्र में आंगनबाडी में ईसीसीई के लिए संरचनाएं हो इसके लिए शिक्षण सहायक अधिगम सामग्री के महत्व पर समूहवार संवाद कर बच्चों के लिए एक दिनचर्या बनाई जाए से अवगत कराया गया है। उपरोक्त सत्रो में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित करने हेतु विभाग के माध्यम से प्रोजेक्टर, लैपटॉप, माइक, मेडिकल किट आदि की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी इस दौरान विभाग के डीपीओ, सीडीपीओ, सहित अन्य अमला भी मौजूद रहा।

विदिशा जिले के 71 अशाकीय स्कूल बंद होंगे इन स्कूलों के 5000 बच्चों का समीपवर्ती स्कूलों में दाखिला कराने के निर्देश

सिरोंज। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा जारी आदेशानुसार नि:शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अनुसार समस्त जिले की अशासकीय शालाओं द्वारा मान्यता प्राप्त होने के उपरांत ही स्कूल संचालन किया जा सकता है। इस हेतु अधिनियम की मंशा के अनुरूप राज्य सरकार द्वारा नि:शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार नियम 2011 के नियम 11 संशोधित नियम के अनुसार मान्यता हेतु प्रावधान किये गये हैं। राज्य शिक्षा केन्द्र के आदेशानुसार जिन विद्यालयों की मान्यता 31 मार्च 2025 को समाप्त हो रही है। उन विद्यालयों को 23 दिसंबर 24 से 10 फरवरी 25 तक और विशेष शुल्क के साथ 14 फरवरी 25 तक मान्यता नवीनीकरण के आवेदन आरटीई मोबाइल एप के माध्यम से प्रस्तुत किये गये थे। डीपीसी आर पी लखेर ने बताया कि विदिशा जिले में 71 अशासकीय स्कूलों के द्वारा नवीन मान्यता, मान्यता नवीनीकरण के आवेदन प्रस्तुत नहीं किये गये हैं। जिनकी मान्यता 31 मार्च 2025 या इसके पूर्व समाप्त हो रही है। राज्य शिक्षा केन्द्र के द्वारा मान्यता नवीनीकरण आवेदन करने के 03 बार अवसर प्रदान किये गये, परंतु 71 शालाओं के द्वारा नवीन मान्यता, मान्यता नवीनीकरण के आवेदन प्रस्तुत नहीं किये गये।

मेट्रो एंकर कंट्रोल रूम का दूरभाष नंबर 07592-250663 जारी किया, अवकाश के दिनों में भी क्रियाशील रहेंगें

"पेयजल समस्या निवारण प्रकोष्ठ" का हुआ गठन, अफसरों को सौंपी जबावदेही

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने बताया कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट की स्थिति निर्मित ना हो खासकर हेण्डपंप और नलजल योजना के माध्यम से जल की आपूर्ति सतत बनी रहें। यदि कहीं हेण्ड पंप व नलजल योजना की मशीनों में खराबी आती है तो अविलम्ब जानकारी प्राप्ति के लिए जिला मुख्यालय के साथ-साथ उपखण्ड मुख्यालयो पर भी कंट्रोल रूम गठित किए गए है ताकि सूचना प्राप्ति के उपरांत अविलम्ब मरम्मत संबंधी कार्य शीघ्र संपादित किया जा सकें।

अवकाश के दिनों में भी क्रियाशील रहेंगें

पीएचई के ईई श्री संतोष साल्वे ने बताया कि जिला स्तर पर कंट्रोल रूम का दूरभाष क्रमांक 07592-250663 है वहीं कंट्रोल रूम प्रभारी श्री अमित श्रीवास्तव का मोबाइल नम्बर 7999775044 है। कंट्रोल रूम प्रातः दस बजे से सायं छह बजे

तक शासकीय अवकाशों में भी क्रियाशील रहेंगें।

इन्हें सौंपी जबावदेही

जिला मुख्यालय के साथ-साथ सभी उपखण्ड मुख्यालयों पर भी कंट्रोल रूम की तर्ज पर अधिकारियों को जबावदेही सौंपी गई है साथ ही उनके मोबाईल नम्बरों पर पेयजल संबंधी समस्या से सीधे अवगत कराकर समाधान प्राप्त किया जा सकता है।

कर्मचारी निर्धारित समय पर उपस्थित होकर टेलीफोन काल अटेण्ड करेंगे, शिकायत का समय सीमा में हो निराकरण

कंट्रोल रूम में ड्यूटी पर कार्यरत कर्मचारी निर्धारित समय पर उपस्थित होकर टेलीफोन काल अटेण्ड करेंगे एवं पेयजल समस्या तथा हेण्डपंप खराबी से संबंधित शिकायतें प्राप्त होने पर रजिस्टर्ड में दर्ज करने के उपरांत संबंधित सहायक यंत्री, उपयंत्री को अवगत कराएंगे एवं समय सीमा में निराकरण की कार्यवाही रिपोर्ट प्राप्त कर रजिस्टर में दर्ज करेंगे

इसके लिए विदिशा उपखण्ड में सहायक यंत्री श्री अमर दाहिया 9584006571 जिनका कार्यक्षेत्र विदिशा एवं नटेरन रहेगा। जबकि उपयंत्री श्री दीपक शाह 8770649019 को नटेरन का तथा उपयंत्री सुश्री शिखा मेश्राम 9669556160 को विदिशा विकासखण्ड क्षेत्र का दायित्व सौंपा गया है।

ग्यारसपुर विकासखण्ड के लिए सहायक यंत्री श्री प्रताप सिंह ठाकुर 9406609005, उपयंत्री श्री प्रमित राठौर 8516077751 को तथा बासौदा एवं कुरवाई उपखण्ड के लिए सहायक यंत्री श्री अमर दाहिया 9584006571, उपयंत्री श्री एसके कुम्हार 9425640704 को कुरवाई का, उपयंत्री अंजली मोविया 7879225632 एवं उपयंत्री श्री श्रेयांश श्रीवास्तव 7691943817 को बासौदा का हेतु नियुक्त किया गया है।

सिरोंज, लटेरी उपखण्ड के लिए सहायक यंत्री श्री देवीसिंह मर्सकोले 8462891133 को तथा उपयंत्री श्री पुष्पेन्द्र दांगी 9893152066 सिरोंज, लटेरी क्षेत्र का दायित्व सौंपा गया है।

जोकोविच ने तोड़ा फेडरर का रिकॉर्ड

मियामी ओपन के सबसे उम्रदराज सेमीफाइनलिस्ट बने, 100वीं जीत से बस एक कदम दूर

मैड्रिड, एजेंसी

सर्बिया के टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए है। उन्होंने रोजर फेडरर का 6 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। रोजर फेडरर ने 2019 में इंडियन वेल्स और मियामी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचकर यह रिकॉर्ड अपने नाम किया था। तब वे 37 साल और 7 महीने के थे। जोकोविच ने 37 साल और 10 महीने की उम्र में मियामी ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अगर जोकोविच शनिवार को होने वाले सेमीफाइनल मैच जीतते है तो यह उनकी 100वीं प्रोफेशनल जीत होगी। जोकोविच अपनी 100वीं प्रोफेशनल जीत से बस एक कदम दूर। जोकोविच अपनी 100वीं प्रोफेशनल जीत से बस एक कदम दूर। चौथी सीड जोकोविच ने क्वार्टर फाइनल में अमेरिका के 14वें सीड सेबेस्टियन कोर्डा को 6-3, 7-6 से हरा दिया। शनिवार को सेमीफाइनल मुकाबले में जोकोविच का सामना बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा। दोनों के बीच अभी तक 13 मैच खेले गए है, जिसमें से 12 मैच जोकोविच जीते है। 1 मैच में दिमित्रोव को जीत मिली है। पिछले साल ग्रिगोर दिमित्रोव मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचे थे, जिसमें उन्हें जैनिक सिन्नर से हार का सामान करना पड़ा था। ग्रिगोर दिमित्रोव एटीपी रैंकिंग में वर्ल्ड नंबर 3 पर है। ग्रगोर दिमित्रोव एटीपी रैंकिंग में वर्ल्ड नंबर 3 पर है। नोवाक जोकोविच अब तक 24 ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुके हैं. उन्होंने 10 ऑस्ट्रेलियन ओपन, 3 फ्रेंच ओपन, 7 विंबलडन और 4 यूएस ओपन खिताब अपने नाम किए हैं। वह कई बार वर्ल्ड नंबर 1 रह चुके हैं और सबसे ज्यादा हफ्तों तक टॉप रैंकिंग पर रहने का रिकॉर्ड भी बना चुके हैं।

सबालेंका मियामी ओपन के फाइनल में पहुंची: विमेंस सेमीफाइनल राउंड में शुक्रवार को आर्यना सबालेंका ने इटली की जस्मिन पाओलीनी को 6-2,6-2 से हराया। अब सबालेंका शनिवार को अमेरिका की जेसिका पेगुला से फाइनल में भिड़ेंगी। पेगुला ने 19 साल की फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला तीन सेटों में हराया।

आईपीएल : मुंबई की टीम को पहली जीत की तलाश

आज जीटी व एमआई का मैच, दोनों का अहमदाबाद में चौथी बार सामना

अहमदाबाद, एजेंसी

आईपीएल 2025 के 9वें मुकाबले में आज 2022 की चैंपियन गुजरात टाइटंस और 5 बार की विजेता मुंबई इंडियंस की टीमें आमने-सामने होंगी। यह मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मुंबई से हार्दिक पंड्या वापसी करेंगे। वह पहला मैच बैन होने के कारण नहीं खेले थे। 2022 में हार्दिक की ही कप्तानी में जीटी चैंपियन बनी थी। इस सीजन गुजरात ने अपना पहला मैच पंजाब किंग्स के खिलाफ खेला था, जहां उन्हें 11 रन हार मिली थी। वहीं, मुंबई इंडियंस को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 4 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में दोनों टीमें इस मैच को जीतकर मौजूदा सीजन में अपना खाता खोलना चाहेंगी।

मुंबई पर भारी गुजरात

गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस की टीम आईपीएल में अब तक 5 बार आमने-सामने हुई हैं। उसमें से 3 मैचों में गुजरात को जीत मिली है, वहीं 2 बार मुंबई इंडियंस ने बाजी मारी है। आईपीएल 2024 में दोनों टीमों के बीच एक मैच खेला गया था। इस मैच में जीटी ने एमआई को 6 रन से हराया था।

साई सुदर्शन ने पिछले मैच में 74 रन बनाए थे : गुजरात के लिए पिछले मैच में साई सुदर्शन ने 74 रन बनाए थे। आर साई किशोर ने 3 विकेट झटके थे। हालांकि वे दोनों अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। टीम में जोस बटलर के होने से टॉप ऑर्डर बेहद मजबूत है। मजबूत विकेटकीपिंग ऑप्शन भी है।

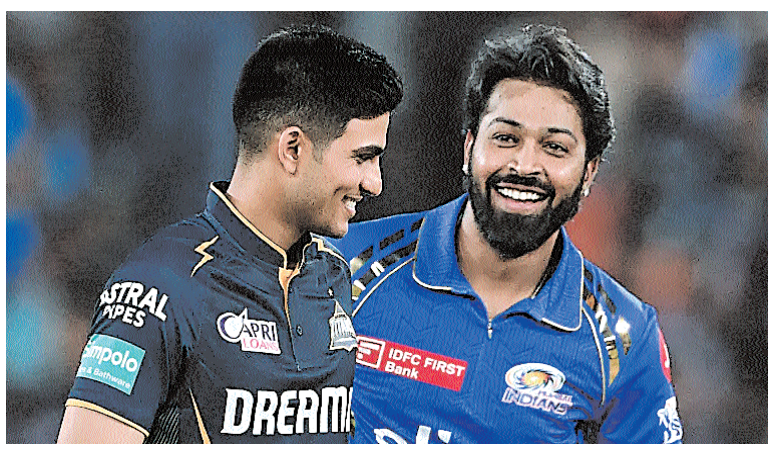

फिनिशिंग में शेरफन रदरफोर्ड, शाहरुख खान, तेवतिया, राशिद और ग्लेन फिलिप्स हैं।

पिछले मैच में मुंबई का बैटिंग ऑर्डर फेल रहा: चेन्नई के खिलाफ मैच में मुंबई के लिए कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका था। टीम में इंडिया के इंटरनेशनल प्लेयर होने से टॉप ऑर्डर बेहद मजबूत है। बोल्ट और चाहर पेस बॉलिंग को मजबूत बना रहे। सैंटनर, मुजीब जैसे टॉप स्पिनर भी मौजूद हैं। तिलक वर्मा पिछले मैच के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने 31 रन बनाए थे। ढ्ढक्कडेब्यू करने वाले विग्नेश पुथुर ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए थे। नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच बैटिंग फ्रेंडली है। यहां अब तक ढ्ढक्कके 36 मैच खेले गए हैं। 16 मैचों में पहले बैटिंग करने वाली टीम और 20 में चेज करने वाली टीम को जीत मिली। यहां का हाईएस्ट टीम स्कोर 243/5 है, जो पंजाब किंग्स ने इसी सीजन गुजरात के खिलाफ बनाया था। यह मुकाबला पंजाब ने 11 रन से जीता था। अहमदाबाद में शनिवार का मौसम काफी गर्म रहेगा। धूप भी काफी तेज रहेगी। बारिश की बिल्कुल संभावना नहीं है। मैच वाले दिन यहां का तापमान 20 से 38 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है।

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-12

गुजरात टाइटंस-शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, आर साई किशोर, अरशद खान/ईशांत शर्मा, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा, ग्लेन फिलिप्स।

मुंबई इंडियंस-हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, विल जैक्स, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, नमन धीर, रॉबिन मिंज (विकेटकीपर), मिचेल सैंटनर, दीपक चाहर, मुजीब उर रहमान, ट्रेंट बोल्ट, विग्नेश पुथुर।

जडेजा के नाम आईपीएल का अनोखा डबल रिकॉर्ड

चेन्नई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 17 साल बाद चेन्नई सुपर किंग्स को उन्हीं के होमग्राउंड चेपॉक में हराया। टीम को 2008 में आखिरी जीत मिली थी। ऋष्क्कने शुक्रवार को 196 रन बनाए, जवाब में ष्टस्च 146 रन ही बना सकी। बेंगलुरु ने 50 रन से मैच जीत लिया। विकेटकीपर एमएस धोनी ने 0.16 सेकेंड में स्टंपिंग की। कप्तान रजत पाटीदार के 3 कैच छूटे। रवींद्र जडेजा आईपीएल में 3000 रन और 150 प्लस विकेट लेने वाले इकलौते खिलाड़ी बने।

धोनी ने फिर की तेज स्टंपिंग

चेन्नई सुपर किंग्स को पहला विकेट विकेटकीपर एमएस धोनी की बहुत तेज स्टंपिंग के चलते मिला। 5वें ओवर की आखिरी बॉल नूर अहमद ने ऑफ स्टंप के बाहर गुड लेंथ पर फेंकी। सॉल्ट कवर ड्राइव खेलने गए, लेकिन मिस कर गए। धोनी ने बॉल कलेक्ट की और सॉल्ट का पैर क्रीज में आने से पहले ही गिल्लियां उड़ा दीं। उन्होंने 0.16 सेकेंड में स्टंपिंग की। फिल सॉल्ट 32 रन बनाकर आउट हुए। धोनी ने मुंबई के खिलाफ टीम के पहले मैच में भी इसी तरह की तेज स्टंपिंग की थी। तब उन्होंने सूर्यकुमार यादव को पवेलियन भेजा था। 11वें ओवर में मथीश पथिराना की बाउंसर विराट कोहली के हेलमेट पर लगी। विराट पुल शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद मिस कर गए।

श्रेयस-ईशान को मिल सकता है बीसीसीआई का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट

नईदिल्ली, एजेंसी

श्रेयस अय्यर और ईशान किशन की ऋष्टष्ठ के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में वापसी हो सकती है। पिछले साल दोनों को बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट 2023-24 से बाहर किया गया था। अय्यर चैंपियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन कर सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में एंट्री पर अपनी मुहर लगा चुके हैं। वहीं, ईशान ने आईपीएल के अपने पहले मैच में 106 रन की पारी खेलकर वापसी के लिए अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है। 29 मार्च को बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया, टीम के चयनकर्ता अजित अगरकर और कोच गौतम गंभीर गुवाहाटी में इस पर चर्चा कर सकते हैं। भारतीय टीम से जुड़े एक सूत्र ने टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा कि अय्यर फिर से कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने वाले हैं और वह भी टॉप कैटेगरी में। वहीं, ईशान किशन के लिए अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है और अनुबंध में उनकी वापसी पर कोई पक्का निर्णय नहीं लिया गया है।

पिछले साल बाहर कर दिया गया था; बैठक आज

अय्यर ने चैंपियंस ट्रॉफी में करीब 49 की औसत से बनाए रन : अय्यर चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के 5 पारियों में 79.41 के स्ट्राइक रेट से 243 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने दो अर्धशतक भी लगाए थे। उन्होंने फाइनल में 62 गेंदों पर 48 रन की पारी खेली थी। वे टूर्नामेंट के दूसरे टॉप स्कोरर रहे थे।

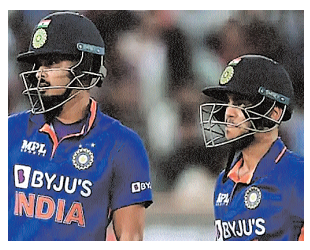

रोहित, विराट और जडेजा ग्रेड + में बरकरार: वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा ग्रेड + में बरकरार रहेंगे। ये तीनों पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप के बाद टी-20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं। वहीं, जसप्रीत बुमराह भी ग्रेड + में बने रहेंगे।

अभिषेक, नीतीश और वरुण पहली बार बीसीसीआई कॉन्ट्रैक्ट में हो सकते हैं शामिल: अभिषेक शर्मा, नीतीश रेड्डी और और वरुण चक्रवर्ती पहली बार ऋष्टष्ठ के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल हो सकते हैं। वरुण ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में 9 विकेट लिए थे। नीतीश ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था। वहीं, अभिषेक शर्मा ने 2024-25 के खेले 12 टी-20 इंटरनेशनल में 200.48 की स्ट्राइक से 411 रन बनाए है।

मेट्रो बाजार

बड़े शहरों में मार्च तिमाही में 23 फीसदी घटी मकानों की बिक्री

नईदिल्ली, एजेंसी

ऊंची कीमतों और आर्थिक वृद्धि को लेकर चिंता की वजह से कैलेंडर साल 2025 की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च तिमाही) में देश के प्रमुख 9 शहरों में मकानों की बिक्री 23 फीसदी घटकर 1.06 लाख इकाई रहने का अनुमान है। पिछले साल की इसी अवधि में कुल 1,36,702 मकान बिके थे। प्रॉपइक्विटी की ओर से रविवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, देश के 9 सबसे बड़े प्रॉपर्टी मार्केट में से केवल दिल्ली-एनसीआर व बेंगलूरु में बिक्री में वृद्धि देखने को मिल सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, चालू तिमाही में आवासीय संपत्तियों की नई आपूर्ति 34 फीसदी घटकर 80,774 इकाई रहने का अनुमान है।

होम लोन के साथ जबरन बीमा पर सख्ती : नेशनल हाउसिंग बैंक ने ये निर्देश दिए एनएचबी की चिंता है कि इन फाइनेंस कंपनियों की कुल कमाई में बीमा से होने वाली कमाई का हिस्सा बहुत ज्यादा है। कई मामलों में बैंक लोन लेने वाले को सुरक्षा देने के लिए नहीं, बल्कि ज्यादा से ज्यादा बीमा बेचने के लिए इंश्योरेंस बेच रहे हैं। नेशनल हाउसिंग बैंक (एनएचबी) ने होम लोन देने वाली हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों को जमकर फटकार लगाई है। आरोप है कि ये कंपनियां घर के लोन के साथ बीमा पॉलिसी बेचकर मिस-सेलिंग कर रही हैं। एनएचबी ने हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों को साफ-साफ हिदायत दी है कि ग्राहकों पर लोन के साथ बीमा पॉलिसी जबरदस्ती न थोपें। एनएचबी ने अपनी जांच में पाया कि कई बार तो ग्राहकों से बीमा देने से पहले मंजूरी ही नहीं ली गई। लोगों ने शिकायतें की हैं। लोन के साथ जो बीमा पॉलिसी बेची जा रही थीं, उन्हें उनकी शर्तें लोगों को पता ही नहीं थीं। एनएचबी ने देखा कि कई हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों के पास बीमा बेचने के लिए बोर्ड से मंजूरी प्राप्त नीतियां ही नहीं थीं। ये कंपनियां एक ही शख्स को कई तरह के बीमा बेच रही थीं।

पेयू को भुगतान एग्रीगेटर के रूप में काम करने के लिए मिली सैद्धांतिक मंजूरी

बंगलूरू, एजेंसी। डिजिटल वित्तीय सेवा प्रदाता पेयू ने मंगलवार को घोषणा की कि उसे भुगतान निपटान अधिनियम, 2007 के तहत भुगतान एग्रीगेटर (पीए) के रूप में काम करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। इस मंजूरी के बाद अब पेयू अपने प्लेटफॉर्म पर नए व्यापारियों को शामिल सकेगी।

पेयू के सीईओ अनिर्बान मुखर्जी ने एक बयान में कहा, ÷यह लाइसेंस भारत में बनी विश्व स्तर पर प्रसिद्ध डिजिटल भुगतान बुनियादी ढांचे को स्थापित करने के हमारे मिशन में महत्वपूर्ण है।÷ उन्होंने कहा, ÷सरकार की डिजिटल इंडिया पहल और आरबीआई के दूरदर्शी नियमों के अनुरूप, हम विशेष रूप से छोटे व्यापारियों के लिए डिजिटलीकरण और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए समर्पित हैं। इसके अलावा, कंपनी ने कहा कि आरबीआई की सैद्धांतिक मंजूरी पेयू के अग्रणी डिजिटल भुगतान बुनियादी ढांचे के निर्माण के मिशन को रेखांकित करती है। इस महीने की शुरुआत में, पेयू ने भारतीय व्यापारियों के लिए सीमा पार भुगतान के लिए अमेरिका स्थित फिनटेक कंपनी पेपाल के साथ साझेदारी की थी।

व्यवसायों को भुगतान गेटवे समाधान प्रदान करता है। इसने देश के अग्रणी उद्यमों, ई-कॉमर्स दिग्गजों और एसएमबी सहित पांच लाख से अधिक व्यवसायों को सशक्त बनाया है। यह व्यवसायों को क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग, ईएमआई, बीएनपीएल, क्यूआर, यूपीआई, वॉलेट आदि जैसे 150 से अधिक ऑनलाइन भुगतान तरीकों से डिजिटल भुगतान एकत्र करने की अनुमति देता है।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

रूमर्ड बॉयफ्रेंड वॉकर ब्लैंको की पोस्ट पर अनन्या, बोलीं- 'मिस्टर वर्ल्ड वाइड'

अनन्या पांडे ने रूमर्ड बॉयफ्रेंड वॉकर ब्लैंको की पोस्ट पर कमेंट किया है। अभिनेत्री के इस प्यारे कमेंट ने एक बार फिर दोनों के रिलेशनशिप की अटकलों को हवा दे दी है। अभिनेत्री अनन्या पांडे फिल्मों के अलावा अपनी पर्सनल जिंदगी को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं। पिछले कुछ समय से वॉकर ब्लैंको के साथ अपने कथित रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में हैं। अटकलों के बीच हाल ही में वॉकर ब्लैंको ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की। उनकी पोस्ट पर अनन्या ने तुरंत अपनी प्रतिक्रिया दी। रूमर्ड बॉयफ्रेंड वॉकर ब्लैंको की पोस्ट पर अनन्या खुद को कमेंट करने से नहीं रोक पाईं। अभिनेत्री ने एक प्यारा सा कमेंट करते हुए लिखा, मिस्टर वर्ल्ड वाइड। उनके इस कमेंट ने प्रशंसकों के बीच इस चर्चा को एक बार फिर हवा दे दी। अभिनेत्री की बहन रीसा पांडे ने भी लिखा, तुम बहुत कूल हो। वॉकर ब्लैंको ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरों और वीडियो की एक शानदार कलेक्शन शेयर किया। उनके पोस्ट में वन्यजीव, पानी के नीचे के जीव, सुंदर प्रकृति, सेल्फी, कैंडिड मोमेंट,स्विमिंग सेशन और एक दोस्त के साथ तस्वीरें शामिल थीं। वॉकर की इस पोस्ट पर यूजर्स ने भी खूब रिएक्शन दिए। एक यूजर ने लिखा, लिविंग लार्ज!' एक अन्य ने लिखा, 'वर्ल्डवाइड वॉकर', एक और यूजर ने लिखा, 'एपिक।' फरवरी की शुरुआत में, अनन्या पांडे ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर वॉकर ब्लैंको के लिए एक खास बर्थडे पोस्ट शेयर किया था। उन्होंने वॉकर एक कैंडिड फोटो पोस्ट की, जिसमें अभिनेत्री ने कैप्शन लिखा- हैप्पी बर्थडे वॉकर ब्लैंको (साथ में मगरमच्छ वाली इमोजी)। हालांकि, अभिनेत्री और वॉकर ने अपने रिश्ते को आधिकारिक नहीं किया है, लेकिन फैंस के बीच दोनों को लेकर खूब अटकलें लगाई जाती हैं। अनन्या पांडे के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह 'केसरी 2' में नजर आएंगी। इस फिल्म में अक्षय कुमार और आर. माधवन भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा अभिनेत्री के पास लक्ष्य के साथ रोमांटिक फिल्म 'चांद मेरा दिल' और 'कॉल मी बे' का दूसरा सीजन भी है।

मैं खुद को किसी एक थीम तक सीमित नहीं रखना चाहता - रणदीप हुडा

बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा ने कहा है कि वह खुद को एक थीम तक सीमित नहीं रखना चाहते। वह अलग-अलग शैलियों में काम करना चाहते हैं। अभिनेता ने एक फिल्म निर्माता के रूप में अपने अगले प्रोजेक्ट एक्शन फिल्म का भी संकेत दिया। अगले प्रोजेक्ट के बारे में पूछे जाने पर रणदीप ने आईएएनएस से कहा, एक एक्टर के तौर पर, मैंने कई छलांग लगाई है, कई तरह के किरदार निभाए हैं। इसी तरह, एक फिल्म निर्माता के रूप में, मैं अलग-अलग शैलियों पर काम करूंगा। शायद अगली बार मैं एक एक्शन फिल्म बनाऊंगा। रणदीप ने 2001 में 'मॉनसून वेडिंग' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। उन्होंने कई शानदार फिल्में दी, जिनमें 'साहेब बीवी और गैंगस्टर', 'मर्डर 3', 'हाईवे' और 'सरबजीत' शामिल हैं। एक अन्य सवाल के जवाब में एक्टर ने कहा, इंडस्ट्री कोई एक व्यक्ति या लोगों का समूह नहीं है। यह अलग-अलग द्वीप हैं जो अपना काम करने की कोशिश कर रहे हैं। जैसे मैं एक हूं। कई कहानियों को चुनौती देने वाली फिल्म के साथ... सात साल बाद बड़े पर्दे पर सफल वापसी के साथ, एक एक्टर और निर्देशक के रूप में मुझे दर्शकों से जो प्यार मिला है, उसने मेरा आत्मविश्वास बढ़ा दिया है। आखिरकार दर्शक ही हैं जो किसी के टैलेंट को बेहतर तरीके से आंकते हैं। अभिनेता ने आगे कहा, मैं उन लोगों में से नहीं हूं जो इस बात का रोना रोते हैं कि मुझे क्या मिलना चाहिए था। इसके बजाय, मैं दर्शकों का प्यार जीतते रहने के लिए कड़ी मेहनत करने में विश्वास रखता हूं। रणदीप ने 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' के साथ सिल्वर स्क्रीन पर सात साल बाद सोलो लीड के रूप में कमबैक किया, जो उनके निर्देशन की पहली फिल्म भी थी। इस किरदार के लिए उन्होंने लगभग 32 किलो वजन कम किया।

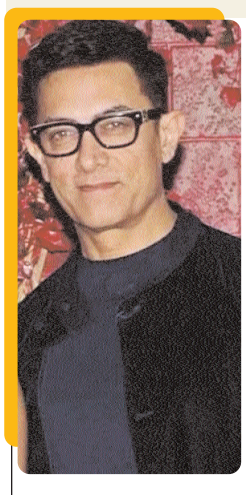

डायरेक्टर जोया अख्तर के साथ फिल्म करेंगे एक्टर आमिर खान

बॉलीवुड में मिस्टर परफेक्शनिस्ट के नाम से मशहूर आमिर खान इन दिनों सुर्खियों में हैं। आमिर खान 'द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो' में पहुंचे थे। इस शो से आमिर खान का एक प्रोमो वीडियो जारी किया गया था। इस वीडियो में आमिर खान अपनी निजी जिंदगी के बारे में कई खुलासे करते नजर आए। अब इस वीडियो के बाद आमिर खान से जुड़ी एक और बड़ी खबर सामने आ रही है। आमिर खान ने हाल ही में फिल्म निर्देशक जोया अख्तर से मुलाकात की है। जिसके बाद लोग आमिर खान और जोया अख्तर की अगली फिल्म को लेकर चर्चा करने लगे हैं। आमिर खान लंबे समय से बड़े पर्दे से दूर हैं। आमिर खान आखिरी बार फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' में नजर आए थे। आमिर खान की ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हो गई. इसके बाद से ही आमिर खान के फैंस मिस्टर परफेक्शनिस्ट की अगली फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। अब इसी बीच आमिर खान की अगली फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आ रहा है। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, जोया अख्तर ने एक फिल्म के सिलसिले में आमिर खान से मुलाकात की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जोया एक हीरो पर आधारित फिल्म के बारे में सोच रही हैं। इस फिल्म में काफी इमोशनल और ड्रामा देखने को मिलने वाला है. आमिर खान ने अभी तक फिल्म के लिए हां नहीं कहा है. आमिर खान ने फिल्म की कहानी के विकास के साथ-साथ स्टोरी नैरेशन के लिए जोया अख्तर से दोबारा मिलने की बात कही है। जोया अख्तर की फिल्म के अलावा एक्टर का नाम कई और फिल्मों से जुड़ रहा है।

अवैध शराब के गोदाम पर छापा, एक गिरफ्तार

भोपाल। शाहजहांनाबाद पुलिस ने बाजपेयी नगर मल्टी स्थित अवैध शराब के गोदाम पर छापा मारकर 252 लीटर शराब जब्त की है। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि दूसरा आरोपी रात के अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा। जब्त हुई शराब की कीमत करीब 98 हजार रुपए बताई गई है। जानकारी के अनुसार शाहजहांनाबाद थाना प्रभारी उमेशपाल सिंह चौहान को मुखबिर से सूचना मिली कि बाजपेयी नगर मल्टी स्थित एक कमरे में अवैध रूप से बड़ी मात्रा में शराब रखी गई है। सू टीमों ने घेराबंदी कर कमरे की तलाशी ली तो वहां से देशी शराब के कुल 28 कार्टून रखे मिले, जिसे जब्त किया गया। इस मामले में एक आरोपी भरत कपिल (35) निवासी मल्टी बाजयपेयी नगर को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने पुलिस को बताया कि उक्त शराब आशीष बड़गूजर ने उसके कमरे पर रखवाई थी। हालांकि आशीष मौके से भागने में सफल रहा। उसकी तलाश में पुलिस की अलग-अलग टीमें लगाई गई हैं। इधर हबीबगंज पुलिस ने साईबाबा मल्टी के पास अंजू सिंह को गिरफ्तार कर 2250 रुपए की अवैध शराब जब्त की है। इसी प्रकार नजीराबाद पुलिस ने ग्राम गढ़ा ब्राह्मण के पास कमल सिंह तंवर और ग्राम नायसमन के पास अंकित खटीक को अवैध शराब के साथ पकड़ा।

बालकनी से घुसकर युवती से छेड़छाड़, शोर मचाया तो मोबाइल छोड़कर भागा बदमाश

भोपाल। कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित नेहरू नगर में गुरुवार सुबह एक बदमाश बालकनी से घर में घुस गया। बदमाश ने कमरे में सो रही 25 साल की युवती से अश्लील

हरकत शुरू कर दी। युवती ने शोर मचाया तो आरोपी मौके से भाग निकला। इस दौरान आरोपी का मोबाइल युवती के घर में ही गिर गया था। परिजन के साथ पहुंची युवती ने पुलिस को शिकायत की। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। आरोपी नशे का आदी है और इलाके का निगरानी बदमाश है। पुलिस के अनुसार 25 साल की युवती थाना क्षेत्र में रहती है और प्राइवेट जॉब करती है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि नेहरू नगर इलाके में वह परिवार के साथ किराए के मकान में रहती है। गुरुवार सुबह वह अपने कमरे में सो रही थी, जबकि परिवार के अन्य सदस्य दूसरे कमरे में थे। इसी बीच आरोपी अंकित चिकना बालकनी से कमरे में घुस आया और बुरी नियत से उसे बेड टच करने लगा। उसकी नींद और शोर मचाया तो आरोपी अंकित चिकला बालकनी से ही भाग निकला। इस दौरान उसका मोबाइल कमरे में ही गिर गया था। पुलिस ने मोबाइल जब्त कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

ब्रोकर ने फांसी लगा कर दी जान

भोपाल। शाहपुर थाना क्षेत्र स्थित त्रिलंगा में शुक्रवार रात एक ब्रोकर ने अपने घर पर फांसी लगा ली। पड़ोसी ने उन्हें फांसी के

फंदे पर लटका देखा था। पड़ोसी की सूचना पर पहुंची पुलिस शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार एस सिंह चौहान, त्रिलंगा में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को सूचना देते हुए बताया कि उनके पड़ोस में अखिलेश दुबे (55) किराए से रहते थे। वे अकेले रहते थे और प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते थे। शुक्रवार रात करीब 8-30 बजे उन्होंने अपने कमरे में फांसी लगा ली। चौहान ने उन्हें फांसी के फंदे पर लटका देख पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस का कहना है कि उनका कमरा सील कर दिया गया है। आज पीएम के बाद परिजन को शव सौंपा जाएगा। उसके बाद कमरे की तलाशी और परिजन के बयान दर्ज किए जाएंगे।

ट्रेडिंग के नाम साइबर ठगों को बैंक अकाउंट बेचने वाले पांच गिरफ्तार

साइबर क्राइम ब्रांच की कार्रवाई, बिहार पश्चिम बंगाल व महाराष्ट्र से पकडे आरोपी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शेयर मार्केट में ट्रेडिंग के नाम पर ठगी करने वाले साइबर ठगों को बैंक अकाउंट बेचने वाले पांच अकाउंट होल्डरों को सायबर क्राइम ब्रांच की टीम ने बिहार, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र: से गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने शेयर मार्केट में ट्रेडिंग के नाम पर ठगी करने वाले ठगों को बैंक अकाउंट बेचे थे, जिसमें ठगी की रकम का ट्रांजेक्शन किया जा रहा था।

जानकारी के अनुसार भोपाल निवासी फरियादी ने शिकायत करते हुए बताया कि अप्रैल 2024 के अंत में उनके मोबाइल पर अज्ञात आरोपी वाट्सएप ग्रुप पर मैसेज आया। उन्हें एक्सल ऑनलाइन नाम के ग्रुप में जोड़ा गया। ग्रुप में शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर चर्चा हुई। उसके बाद वाट्सएप पर चार अलग-अलग नंबरों से केसेय एलवर्ड नामक महिला से चर्चा हुई। महिला ने उन्हें बताया कि हमारी कंपनी एक्सेल में इन्वेस्ट करने पर कम समय में अधिक लाभ कमाया जा सकता है। बाद में उक्त महिला ने फरियादी

को एसीवीवीएल ऑनलाइन नामक एप्लीकेशन की लिंक भेजकर एप्लीकेशन डाउनलोड कराई। उन्हें यूजर नेम एवं पासवर्ड दिया गया। पैसे जमा करने के लिए वाट्सएप पर अकाउंट नंबर दिया गया। फरियादी ने दिए गए बैंक अकाउंट में रुपए जमा कर दिए। उसकी रसीद भी दी गई। फरियादी ने दो महीने में 1 करोड़ 22 लाख 50 हजार रुपए जमा कर दिए। इसके बाद जब फरियादी ने वॉलेट से अपना लाभ निकालना चाहा तो आरोपी कहने लगे कि लाभ का 20 फीसदी हिस्सा आपको कंपनी में जमा करना होगा, तभी पैसे निकाल सकेंगे। वे समझ गए थे कि उनके साथ ठगी की बड़ी वारदात हो चुकी है।

इस प्रकार करते थे ठगी

आरोपियों द्वारा लोगों को फर्जी शेयर ट्रेडिंग एक्सल नामक एप्लीकेशन की लिंक भेजकर, डाउनलोड कराया जाता है। यूजर आईडी पासवर्ड बनवाकर कम समय में अधिक मुनाफा देने के नाम पर शेयर ट्रेडिंग करने का कहकर फर्जी अकाउंट में पैसा जमा करवा लेते थे। उसके बाद फर्जी शेयर ट्रेडिंग एप मे अधिक मुनाफा दिखा देते थे। जब पीड़ित रुपए निकालने के लिए कहते तो आरोपियों द्वारा टैक्स के नाम पर और पैसो की मांग करते थे। एप पर अधिक पैसा जमा होने पर विड्रॉल को बंद कर देते थे। गिरफ्तार आरोपियों द्वारा बैंक खाते खुलवाकर साइबर अपराधियों को बेंचे जाते थे एवं उक्त अकाउंट में पैसा आने पर अन्य बैंक अकाउंट में ऑनलाइन स्थानांतरित कर दिया जाता था।

जिसके लिए आरोपियों को प्रति लेन-देन के हिसाब से पैसा मिलता था। आरोपियों को ठगी में उपयोग किए जाने वाले फर्जी बैंक खातो को उपलब्ध कराने पर आरोपियों को प्रति अकाउंट 50 हजार रुपए लिए जाते थे।

इन आरोपियों की हुई गिरफ्तारी

मुस्तफा मुशारफ हुसैन, ग्राम सोनाखुली जिला कूच बिहार पश्चिम बंगाल। डी फार्फा के बाद स्वयं के नाम पर खाते खुलवाकर अन्य आरोपियों को बेचता था। निहार आलम, टकागच, जिला कूच बिहार पश्चिम बंगाल। बारहवीं पास है और गिरोह को बैंक अकाउंट उपलब्ध कराना एवं अकाउंट में रुपए आने पर अन्य बैंक खातों में स्थानांतरित करता था। आशीफुल हक, ग्राम कुसार्मारी, जिला कूच बिहार पश्चिम बंगाल।

बीएड की पढ़ाई करने के बाद ठगी करने वाले गिरोह को बैंक खातो उपलब्ध कराता था। तामस गणेश शेडमाके, गांव चिचोली जिला, गड़चिरोली महाराष्ट्र। 12वीं पास है और ठगी करने वाले गिरोह को बैंक खाते उपलब्ध कराता था। आरोपियों के पास से 6 मोबाइल, 19 सिम कार्ड, 12 एटीएम कार्ड,

जिलाबदर बदमाश चढ़ा पुलिस के हत्थे

भोपाल। निशातपुरा पुलिस ने जिलाबदर आदेश का उल्लंघन करने वाले एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि अभिषेक उर्फ लक्की कुशवाह (22) शिव नगर, करोंद इलाके में घूम रहा हे। उसके खिलाफ जिलाबदर की कार्रवाई की गई थी। बदमाश को भोपाल सहित सीहोर, राजगढ, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम जिले की सीमा से बाहर जाने के लिए निष्कासन आदेश जारी किया गया था। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई की गई है।

पीड़ित महिला आरक्षक का आरोप, लेफ्टिनेंट कर्नल डाल रहा है समझौता करने का दबाव

पीड़िता के हुए कोर्ट में 164 के बयान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

उत्तराखंड में पदस्थ लेफ्टिनेंट कर्नल के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज करवाने वाली पीड़िता आरक्षक आत्महत्या करने वाली थी लेकिन किसी के समझाने के बाद उसने महिला थाने में एफआईआर दर्ज करवाई। वहीं शुक्रवार को पीड़िता के 164 के बयान भी दर्ज करवाए गए। वहीं पीड़िता ने पुलिस को बताया है कि आरोपी ने 2 अन्य महिलाओं को भी अपने प्रेम जाल में फंसाया था जिनकी उससे बात हुई थी। उन महिलाओं ने पीड़िता को संपर्क किया था। उन लोगों ने जब कॉन्फ्रेंस कॉल पर बात की तब सबकों पता लगा कि आरोपी वरुण प्रताव सिंह(48) सभी को धोखा दे रहा है। जिसेक बाद पीड़िता आत्महत्या भी करने वाली थी। वहीं पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने सोशल मीडिया पर फर्जी खाते बनाए हुए है जिससे कई महिलाएं जुड़ी हुई है। एक आईडी उसने आदित्य के नाम से बनाई है और इसके अलावा भी कई फर्जी आईडी वो चला रहा है। वहीं पीड़िता के एफआईआर दर्ज करवाने के बाद

अब आरोपी और उसका परिवार पीड़िता पर समझौते का दबाव डाल रहा है। पीड़िता ने बताया कि उसके आरोपी ने इसे कॉल करके पैसों का लालच देकर समझौता करने की बात कही है। अलग अलग राज्य की कई महिलाओं को फसाया पीड़िता का आरोप है कि आरोपी लेफ्टिनेंट कर्नल वरूण प्रताप सिंह जहां भी पोस्ट पर रहा है वहां उसने महिलाओं को अपनी पोस्ट की दम पर महिलाओं को फसाया है।

देर रात इलाके में घूम रहा गिरोह, लोगों में दहशत

भोपाल। कटारा हिल्स थाना क्षेत्र में देर रात आधा दर्जन संदिग्धों का गिरोह घूमने से लोगों में दहशत का माहौल है। गुरुवार रात भी गिरोह कस्तूरी होम्स में देखा गया। गिरोह घर में घुसने की कोशिश करते हुए सीसीटीवी में कैद हो गया। जानकारी के अनुसार इससे पहले भी कुछ संदिग्ध इस इलाके में घुमते नजर आए है। कस्तूरी होम्स में एक मकान में गिरोह ने घुसने का प्रयास किया था। घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में गिरोह के सदस्य कैद हो गए। सीसीटीवी कैमरे के फुटेज में संदिग्ध एक घर में घुसने की कोशिश करते दिख रहे है। घर में घुसते हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए संदिग्ध, पुलिस ने बढ़ाई गश्त घटना रात के आसपास की है। इलाके के लोगों का कहना है कि आसपास के इलाकों में अन्य मकानों में भी गिरोह वारदात को अंजाम दे चुका है। इसके अलावा अन्य लोगों के मकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो चुका है।

बैंक में गार्ड को आया अटैक, पुलिसकर्मी निजी वाहन से लेकर पहुंचा एम्स

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बागसेवनिया स्थित साकेत नगर में केनरा बैंक शाखा में सेना से रिटायर्ड सैनिक को हार्ट अटैक आ गया। बैंककर्मी और वहां मौजूद लोग समझते रहे कि उन्हें मिर्गी का दौरा आया है। इस दौरान करंसी चेक में ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मी अविनाश राय खतरा भांपकर रिटायर्ड सैनिक को लेकर तत्काल एम्स पहुंचे, वहां उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टर ने बताया कि उन्हें हार्ट अटैक आया था। समय पर उन्हें अस्पताल नहीं पहुंचाया जाता तो उनकी जान जा सकती थी। अविनाश राय ने बताया कि 56 साल के राम प्रताप सेना से रिटायर्ड हैं। वर्तमान में वह पुलिस लाइन में पदस्थ हैं। गुरुवार को उनकी ड्यूटी केनरा बैंक में थी। गुरुवार दोपहर एक महिला कर्मचारी ने बताया कि राम प्रताप की तबियत खराब हो गई है और वह कुर्सी से नीचे गिर गए है। उन्होंने बैंक के अंदर जाकर देखा कि राम के मुंह से झाग निकल रहा है। लोग इसे मिर्गी बताने में जुटे हुए थे। अविनाश राय ने बताया कि उन्हें पुलिस ट्रेनिंग के दौरान हार्ट अटैक के लक्षणों की जानकारी दी गई थी। इससे वह तुरंत ही भांप गए कि राम प्रताप को दिल का दौहरा आया है। अविनाश अपनी निजी कार से राम प्रताप को एम्स अस्पताल पहुंच गए। अस्पताल में डॉक्टरों के चेकअप से पता चला कि राम प्रताप को अचानक दो बार हार्ट अटैक आया था।

मेट्रो एंकर मरीज की मौत के बाद जयप्रकाश अस्पताल में परिजन का हंगामा

इ्यूटी डॉक्टर अस्पताल से भागे, चार थानों की पुलिस ने संभाला मोर्चा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जय प्रकाश अस्पताल में गुरुवार रात मरीज की मौत के बाद परिजन और रिश्तेदारों सहित परिचितों ने जमकर हंगामा किया। करीब तीन दर्जन से अधिक लोग अस्पताल में घुस आए थे। लोगों का गुस्सा देखकर अस्पताल में मौजूद ड्यटी डॉक्टर और स्टाफ भाग निकला। इधर, सूचना मिलते ही हबीबगंज, टीटी नगर, कमला नगर और एमपी नगर से पुलिस बल मौके पर पहुंच गया और हंगामा कर रहे लोगों को समझाइश दी। इसके बाद भी मामला शांत हो सका।

जानकारी के अनुसार 50 साल के करोंद निवासी मंजूर ऑटो चलाते थे। गुरुवार रात वह पंचशील नगर अपने रिश्तेदार के घर गए थे। इस

दौरान उनकी तबीयत बिगड़ी और परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद मंसूर को मृत घोषित कर दिया। परिजन का आरोप था कि मंसूर खान का का ठीक से इलाज नहीं किया गया और कह दिया गया कि उनकी मौत हो चुकी है। कुछ देर चली बहस के बाद मृतक के परिजन और रिश्तेदार सहित परिचित भी अस्पताल पहुंच गए और हंगामा बढ़ गया। अस्पताल में विवाद की सूचना मिलते ही एसीपी टीटी नगर सीएस पांडे भी मौके पर पहुंच गए थे। साथ ही हबीबगंज, टीटी नगर, कमला नगर और एमपी नगर से पुलिस बल पहुंचा और स्थिति को काबू किया गया।

पुलिस सहायता केंद्र पर नहीं थी पुलिस

जय प्रकाश अस्पताल में हुए इस बवाल पर डॉक्टर और पेरामेडिकल स्टाफ में नाराजगी है। डॉक्टर और स्टाफ का कहना है कि जय प्रकाश अस्पताल में पुलिस सहायता केंद्र बना रखा है, लेकिन यहां कभी सहायता नहीं मिलती। जिस समय हंगामा हुआ उस समय पुलिस सहायता केंद्र में कोई भी पुलिसकर्मी नहीं था। भीड़ से बचकर डॉक्टर और पेरामेडिकल स्टाफ को जान बचानी पड़ी।

पुलिस विभाग से 9 सेवानिवृत्त कर्मियों को भावभीनी दी विदाई

विशेष पुलिस महानिदेशक ने सभी को स्मृति चिन्ह भेंट किए

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं से माह फरवरी तथा माह मार्च में सेवानिवृत्त 9 कर्मचारियों को विशेष पुलिस महानिदेशक आदर्श कटियार ने शुक्रवार को भावभीनी विदाई दी। वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी को प्लांट एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए और उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना की। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके विभिन्न स्वत्व (क्लेम) भुगतान के आदेश भी प्रदान किए गए। नवीन पुलिस मुख्यालय भवन कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित विदाई समारोह में विशेष पुलिस

महानिदेशक पवन श्रीवास्तव, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अनिल कुमार, ए साई मनोहर सहित अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन उपस्थित थे।पुलिस मुख्यालय से सेवानिवृत्त का वा निरीक्षक अ.अ.वि. शाखा जवाहर लाल लोधी, कार्यवाहक सहायक अधीक्षक निरीक्षण शाखा शशिकला ढोके, कार्यवाहक सूबेदार (एम) चयन शाखा अंजता गुप्ता, कार्यवाहक सूबेदार (एम) केन्द्रीय आवक-जावक शाखा मृदुला सक्सेना, सेवानिवृत्त कार्यवाहक सूबेदार (एम) सूचना के अधिकार अरूण कुमार गुप्ता, कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक पीटीआरआई परसनाथ यादव, कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक अ.अ.वि. किशोरीलाल उइके, कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक (फोटो) अअवि इन्द्रनारायण बाथम तथा कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक विशेष शाखा पुरूषोत्तम प्रजापति को पुलिस मुख्यालय परिवार ने शुक्रवार को भावभीनी विदाई दी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022